मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 8 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 09 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 294 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ थकी हुई वर्दी, टूटता हुआ मन

शाहिद ने इस शहर में शूटिंग से किया इनकार ◂◂ 6

रामगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता

अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ हथियार के साथ दंपती गिरफ्तार

रामगढ़: जिले के भुरकुंडा थाना क्षेत्र में पुलिस को अवैध हथियार निर्माण के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पंचायत भवन के पीछे दिनेश विश्वकर्मा के घर में संचालित एक कथित मिनी गन फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण और अर्धनिर्मित हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में दिनेश विश्वकर्मा और उनकी पत्नी नूतन देवी को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान घर से तीन अर्धनिर्मित पिस्टल, नौ मैगजीन स्प्रिंग, लेथ मशीन, वेल्डिंग मशीन और हथियार निर्माण में प्रयुक्त कई अन्य उपकरण और सामग्री बरामद की है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने की कार्रवाई : जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त घर में अवैध रूप से हथियार तैयार किए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर भुरकुंडा थाना पुलिस ने छापेमारी की और मौके से मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया। इधर पुलिस ने सौंदा क्षेत्र से दिनेश विश्वकर्मा के भाई अनिल विश्वकर्मा को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस अवैध नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हैं। साथ ही तैयार हथियारों की आपूर्ति कहां की जाती थी।

वहीं स्थानीय फुलेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने दिनेश विश्वकर्मा के घर में छापेमारी की है। यहां से कई अर्धनिर्मित पिस्तौल और बनाने के सामान जब्त किए गए हैं। सभी जब्त सामानों को पुलिस अपने साथ ले गई है। फुलेंद्र ने कहा कि वे लोग करीब 10 सालों के आसपास से इस इलाके में रह रहे थे। वे लोग लोहार का काम करते थे।

एसपी और थाना प्रभारी ने दी जानकारी : रामगढ़ पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि भुरकुंडा थाना क्षेत्र में छापेमारी हुई है। जहां से अर्धनिर्मित पिस्तौल और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, भुरकुंडा थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि एक दंपती को पकड़ा है, जो मूल रूप से नवादा (लेसरीगंज) के रहने वाले हैं। तीन अर्धनिर्मित हथियार और हथियार बनाने के सामान बरामद कर जांच जारी है।

दिल्ली में दो दिनों तक निवेशकों को साधेंगे हेमंत सोरेन

नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन का हुआ आगाज

रांची/दिल्ली: झारखंड सरकार राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास को नई गति देने के उद्देश्य से 8 और 9 जुलाई को नई दिल्ली के ताज होटल में दो दिवसीय नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन का आयोजन कर रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में होने वाले इस कार्यक्रम में देश-विदेश के निवेशक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, नीति निमार्ता और तकनीकी विशेषज्ञ भाग लेंगे।

समिट का उद्देश्य झारखंड की औद्योगिक क्षमता और निवेश की संभावनाओं को प्रमुख निवेशकों के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना है। समिट का आयोजन एक्सप्लोर इंफिनाइट अपॉर्चुनिटीज थीम पर होगा।

पहले दिन डिजिटल गवर्नेंस और अक पर रहेगा फोकस : समिट की शुरूआत 8 जुलाई को दोपहर 2 बजे होगी। पहले दिन डिजिटल गवर्नेंस, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस दौरान आधुनिक आईटी पार्क, डिजिटल सेवाओं और एआई आधारित निवेश की संभावनाओं पर विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों के बीच विचार-विमर्श होगा। साथ ही उद्योग जगत और सरकार के बीच बिजनेस-टू-गवर्नमेंट संवाद भी आयोजित किया जाएगा।

अकनीति और आईटी क्षेत्र में साझेदारी पर होगी चर्चा : पहले दिन के अंतिम सत्र में झारखंड में एआई का भविष्य विषय पर विशेष चर्चा प्रस्तावित है। इसमें राज्य के लिए तैयार किए जा रहे एआई नीति प्रारूप पर विचार किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान आईटी विभाग और विभिन्न कंपनियों के बीच कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है, जिससे तकनीकी निवेश और सहयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दूसरे दिन निवेश, पर्यटन और उद्योग पर मंथन : 9 जुलाई को होने वाले सत्रों में समावेशी विकास, निवेश और पर्यटन को केंद्र में रखा जाएगा। राज्य की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक पर्यटन स्थलों और निवेश की संभावनाओं को निवेशकों के सामने रखा जाएगा। इसके बाद औद्योगिक प्रोत्साहन और नए उद्योगों की स्थापना से जुड़े मुद्दों पर स्टेकहोल्डर्स के साथ विस्तृत चर्चा होगी।

बड़े औद्योगिक समूहों के साथ होंगे अहम समझौते : दूसरे दिन कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार और कई औद्योगिक समूहों के बीच कई महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाने की योजना है। सरकार का मानना है कि इन समझौतों से राज्य में निवेश बढ़ाने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के समापन पर शाम 5:30 से 6 बजे के बीच मीडिया को प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी।

कई नई नीतियों के प्रारूप होंगे जारी : इस दो दिवसीय समिट के दौरान झारखंड एआई पॉलिसी, झारखंड इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी, झारखंड टूरिज्म पॉलिसी, झारखंड टेक्सटाइल पॉलिसी, जियाडा रेगुलेशंस और पीपीपी पॉलिसी सहित कई महत्वपूर्ण नीतियों के कॉन्सेप्ट पेपर जारी किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य नई नीतियों के माध्यम से राज्य को आईटी, डिजिटल गवर्नेंस, उद्योग और पर्यटन के क्षेत्र में निवेश के लिए अधिक आकर्षक बनाना है।

पाकुड़ में महिला की सिर कूचकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

पाकुड़: जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के जेटके टोला गांव में एक महिला की सिर कूच कर हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलते ही अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और परिजनों सहित आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

अपराधियों ने घर में घुसकर की हत्या : प्राप्त जानकारी के मुताबिक जेटके टोला गांव में मंगलवार देर रात्रि को मरांगमई हांसदा (30 वर्ष) अपने घर में सोयी थी। घर के बाकी सदस्य अपने रिश्तेदार के यहां गए थे। इस दौरान अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर मरांगमई की हत्या कर दी। बुधवार की सुबह काफी देर तक जब मरांगमई अपने कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों को संदेह हुआ। परिजन जब उसके कमरे में पहुंचे तो खाट पर मरांगमई पड़ी थी और उसके सिर में जख्म देखा गया।

परिजनों के शोर मचाने के बाद आस-पड़ोस के लोग भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने फौरन मामले की जानकारी अमड़ापाड़ा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजन सहित आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की और मृतका के परिजनों का बयान दर्ज किया।

झारखंड की दीदियों की कड़ी मेहनत से आम्रपाली आम को मिली वैश्विक पहचान : दीपिका पांडेय सिंह

संवाददाता

रांची : झारखंड ग्रामीण विकास विभाग ने ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। देवघर जिले के मोहनपुर आजीविका महिला किसान प्रोड्यूसर सोसायटी और गुमला जिले के गुमला रायडीह एग्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड एवं एमवीएम बघिमा पालकोट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत तैयार बागानों में उत्पादित 2 टन ह्यआम्रपालीह्ल आम की पहली खेप, जेएसएलपीएस के माध्यम से दुबई पहुँच चुकी है। दुबई के प्रतिष्ठित लूलू मॉल में उपलब्ध यह आम अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता और मिठास से ग्राहकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इससे पहले झारखंड के कई जिलों

से भी आम्रपाली आम की खेप लंदन और इटली जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच चुकी है। यह उपलब्धि राज्य की महिला किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और कृषि आधारित आजीविका मॉडल की बढ़ती सफलता का परिचायक है।

जेएसएलपीएस द्वारा स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता आधारित प्रसंस्करण एवं आधुनिक विपणन व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। इससे न केवल महिला किसानों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि झारखंड के उत्पादों को वैश्विक बाजार में नई पहचान भी मिल रही है। साथ ही ह्यपलाशह्ल ब्रांड के अंतर्गत राज्यभर में विशेष आम बिक्री स्टॉल स्थापित कर स्वयं सहायता समूहों एवं एफपीओ से जुड़े किसानों द्वारा उत्पादित आमों की व्यापक मार्केटिंग की व्यवस्था की गई थी। स्थानीय बाजार में मिली सफलता के बाद इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए आम्रपाली आम को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया गया। यह पहल न केवल महिला किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि झारखण्ड के उत्पादों को वैश्विक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की दिशा में भी एक मजबूत आधार तैयार करेगी।

झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक बाजार में आम्रपाली आम को मिल रही पहचान का वास्तविक श्रेय राज्य की मेहनतकश दीदियों को जाता है। उन्होंने कहा, बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत विकसित आम बागवानी आज झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आजीविका और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन चुकी है। हमारी दीदियों की मेहनत, गुणवत्ता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और जेएसएलपीएस के प्रभावी प्रबंधन का ही परिणाम है कि आज झारखंड का आम्रपाली आम दुबई, लंदन और इटली जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच रहा है। हमारा लक्ष्य राज्य के ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को विश्व के अधिकाधिक देशों तक पहुँचाना एवं महिला किसानों को वैश्विक बाजार से जोड़कर उनकी आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करना है।ह्व मंत्री ने कहा कि झारखंड में संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना और जेएसएलपीएस के समन्वित प्रयासों ने ग्रामीण महिलाओं के लिए बागवानी आधारित आजीविका का एक सशक्त मॉडल विकसित किया है। इससे महिला किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलने के साथ-साथ निर्यात आधारित बाजारों तक सीधी पहुंच भी सुनिश्चित हुई है।

समाचार सार

मुरी थाना में जन समस्या शिकायत शिविर का आयोजन

मुरी : मुरी थाना में जन समस्या शिकायत को लेकर शिविर लगाया गया। जिसमें पहला शिकायत ललिता देवी का गैस नही मिलने को लेकर आवेदन दिया गया। थाना प्रभारी विकास कुमार ने तुरंत एक्शन लिया , गैस ऐजेंसी के संचालकों को बुलाया गया। इस तरह और भी आवेदन टेबल पर आया।

सीएस ने हंटरगंज सीएचसी और पीएचसी जोरी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

चतरा : सिविल सर्जन डॉ सत्येंद्र प्रसाद सिंहा ने हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मंगलवार दोपहर औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को कई दिशा निर्देश दिया।उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों से उनके इलाज व सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सिविल सर्जन के औचक निरीक्षण से चिकित्सकों व चिकित्सा कर्मियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, लेबर वार्ड, ओपीडी, सामान्य वार्ड, पुरुष वार्ड, महिला वार्ड, शिशु वार्ड, दावा वितरण काउंटर आदि का जायजा लिया।उन्होंने मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली, वहीं मरीजों से बात भी की और सभी आवश्यक अभिलेखों को नियमित रूप से अपडेट रखने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी कर्मियों से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आग्रह किया। इसके अलावा पीएचसी जोरी और एचडब्ल्यूसी घंघरी का निरीक्षण किया है।मौके पर डॉ विभा कुमारी, बीपीएम संजय कुमार सिन्हा, पीएमडब्लू अरुण कुमार यादव, पंकज कुमार,बीडीएम ओमप्रकाश, कंप्यूटर ऑपरेटर वीरेंद्र कुमार सहित दर्जनों स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

एसडीएम सह ईआरओ एसआईआर को पूरा करने के लिए कर रहे हैं नियमित बैठक

चतरा : एसडीएम सह ईआरओ जहूर आलम लगातार बीएलओ, बीएलए पॉलिटिकल पार्टी के नेताओं और पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव के साथ मीटिंग कर रहे हैं ताकि इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया, स्टेट इलेक्शन कमीशन, रांची और चतरा के उपायुक्त सह आरओ की तरफ से जारी एसआईआर गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन हो सके और उन्हें 100% सफलता के लिए मोटिवेट किया जा सके।

गौरतलब है कि वोटर फॉर्म भरने और अपलोड करने की आखिरी तारीख 30 जून से 29 जुलाई तय की गई है। बीएलओ और वोटर दोनों को सही फॉर्म भरने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रोसेस को आसान बनाने के लिए एसडीएम ईआरओ जहूर आलम अपने चतरा विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर को तय समय के अंदर पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। 6 जुलाई को उन्होंने चतरा ब्लॉक ऑफिस के कॉन्फ्रेंस हॉल में नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड पार्षदों और बीएलओ के साथ मीटिंग की। इसके बाद उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय के टीचरों और स्टूडेंट्स के साथ मीटिंग की। मीटिंग में उन्होंने एसआईआर की अहमियत पर जोर दिया और एसआईआर फॉर्म भरने का तरीका समझाया।गौरतलब है कि अभी वोटर के लिए फॉर्म भरने के तरीके को लेकर असमंजस की स्थिति है। बीएलओ के बीच भी आम सहमति नहीं है, जिससे कन्फ्यूजन बना हुआ है।

प्रतापपुर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

चतरा। जिले के प्रतापपुर बाजार में मंगलवार की बीते शाम एक जमीनी विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। दो पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले, जिससे पूरे बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी और भगदड़ का माहौल बन गया। इस भयंकर पत्थरबाजी में महिलाओं समेत करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उपद्रव के दौरान डोमन ठाकुर के सैलून का शीशा भी टूट गया। जानकारी के अनुसार, यह हिंसक झड़प दो पक्षों के बीच हुई है। घटना के तुरंत बाद पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी पुलिस बल के साथ इलाके में लगातार गश्त कर रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों के आवेदन पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए, एसडीओ के आदेश पर विवादित जमीन पर तत्काल प्रभाव से धारा 144 लागू कर दी गई है।

सुबोधकांत सहाय ने कुणाल अंबष्टा को किया सम्मानित

संवाददाता

रांची : झुमरी तिलैया निवासी युवा शोधकर्ता और नव प्रवर्तक कुणाल अंबष्टा को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने अपने धुर्वा स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित समारोह में सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कुणाल अंबष्टा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का नाम रोशन करने के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुणाल अंबष्टा ने छोटे शहर झुमरी तिलैया से निकलकर यूरोप के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक मंच तक अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में उनका चयन दो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक कार्यक्रमों के लिए हुआ है। अक्टूबर 2026 में ग्रीस में आयोजित होने वाले द ब्रेन कॉन्फ्रेंस में वे अपने शोध को दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों के

सामने प्रस्तुत करेंगे।

यह सम्मेलन फेडरेशन ऑफ यूरोपियन न्यूरोसाइंस सोसाइटीज और द ब्रेन प्राइज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाता है। न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में द ब्रेन प्राइज को प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मान माना जाता है। कुणाल अंबष्टा द्वारा विकसित कम लागत वाले ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस प्रोजेक्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। उनके इस शोध को इग्नू द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।

इसके अलावा कुणाल अंबष्टा का चयन जर्मनी के एलिस समर स्कूल कार्यक्रम के लिए भी हुआ है, जिसका आयोजन टीयू डॉर्टमुंड यूनिवर्सिटी में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र के विशेषज्ञों से सीखने और अत्याधुनिक शोध से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उनका लक्ष्य एआई तकनीक को कम लागत वाले कंप्यूटर चिप्स के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने की दिशा में काम करना है।

सम्मान समारोह में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीबी सहाय, महामंत्री सुशील कुमार लाल, व्यापारिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रवि कुमार, प्रदेश युवा कार्यकारी अध्यक्ष राजेश सिन्हा, प्रदेश सचिव गुप्तेश्वर शंकर, जिला युवा अध्यक्ष सजल सिन्हा, कोडरमा जिला अध्यक्ष गोपाल कुमार गुतुल, महामंत्री बिकेश कुमार सिन्हा, मनोज सहाय ह्यपिंकूह्ल, कौशलेश कुमार अंबष्टा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रक्षा राज्य मंत्री के प्रयास से फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी के भाई का हुआ सफल उपचार

नई दिल्ली/रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल जगत में रांची एवं झारखंड का नाम रोशन करने वाली ओरमांझी (रांची) की खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा के भाई शिवा का एम्स, नई दिल्ली के जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में सफल उपचार पूरा हो गया है। लगभग एक महीने तक चले विशेषज्ञ उपचार के बाद शिवा की स्वास्थ्य स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मंगलवार को रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ स्वयं एम्स पहुंचे और शिवा को अपने नई दिल्ली स्थित आवास लेकर आए।

कुछ वर्ष पूर्व एक गंभीर दुर्घटना में शिवा बुरी तरह घायल हो गया था। दुर्घटना के बाद उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती गई और वह लंबे समय से बिस्तर पर रहने को विवश था। आर्थिक अभाव के कारण उसका समुचित उपचार भी संभव नहीं हो पा रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर श्री संजय सेठ ने उसके बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित कराई और उसे एम्स, नई दिल्ली में भर्ती कराया।

पूर्व में रांची में हुए उपचार के दौरान शिवा के शरीर में कई नट-बोल्ट लगाए गए थे, जिनसे गंभीर संक्रमण का खतरा उत्पन्न हो गया था। एम्स के जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में डॉ कमरान फारूक के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने सफलतापूर्वक सभी नट-बोल्ट निकालकर उसे अत्याधुनिक चिकित्सा उपलब्ध कराई। चिकित्सकों के अनुसार, एक समय शिवा का जीवन गंभीर खतरे में था, लेकिन अब वह पूरी तरह खतरे से बाहर है और तेजी से स्वस्थ हो रहा है।

इस अवसर पर शिवा की माता, उसकी बहन एवं अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा तथा रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने चिकित्सकों एवं चिकित्सा दल के प्रति हार्दिक आभार और कृतज्ञता व्यक्त की।

संजय सेठ ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा है कि देश के खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके परिवारों की भी चिंता की जाए, ताकि खिलाड़ी पारिवारिक कठिनाइयों से मुक्त होकर पूरी एकाग्रता के साथ अपने खेल और देश के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। इसी भावना के अनुरूप दिव्यानी लिंडा के परिवार को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया गया है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगले दो दिनों में शिवा अपने गांव लौटेगा और शीघ्र ही पूर्णतः स्वस्थ होकर सामान्य जीवन की ओर लौटेगा। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए संतोष का विषय है कि अब शिवा फिर से अपने दोस्तों के साथ खेलेगा, पढ़ाई करेगा और नए उत्साह के साथ अपने जीवन की नई शुरूआत करेगा।

चतरा में जमीन विवाद में भाई ने भाई की पीट-पीटकर हत्या, गांव में तनाव

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के डटमी गांव में जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। खेत में हल चला रहे एक व्यक्ति की उसके ही भाई और भतीजे ने कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक डटमी गांव निवासी कैलाश यादव थे। जानकारी के अनुसार कैलाश यादव अपने खेत में हल चला रहे थे। इसी दौरान जमीन के पुराने विवाद को लेकर उनके भाई और भतीजे के साथ कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ने कैलाश यादव पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से वह मौके पर ही गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्ट के लिए चतरा भेज दिया है। खबर लिखे जाने तक थाना में मामला दर्ज को लेकर आवेदन दिया रहा था।

खूंटी-कोलेबिरा मुख्य पथ पर दर्दनाक सड़क हादसा

रनिया/खूंटी : रनिया थाना क्षेत्र के रायकेरा स्थित सरदार ढाबा के समीप मंगलवार शाम करीब 7 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में सीबीजेड मोटरसाइकिल सवार 26 वर्षीय जेवियर गुड़िया की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक गोपला कुसुम टोली का निवासी था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन जेवियर को लगभग 300 मीटर तक घसीटते हुए आगे निकल गया। जेवियर ने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन हादसा इतना भीषण था कि उसके कंधे और सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई तथा इसकी सूचना रनिया थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की और घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। सूचना मिलने पर परिजन एवं ससुराल पक्ष के लोग भी घटनास्थल पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, जेवियर गुड़िया तोरपा स्थित संत तेरेसा स्कूल में माली के रूप में कार्यरत था। मंगलवार को काम समाप्त करने के बाद वह अपनी मोटरसाइकिल से अपने ससुराल भालूटोली गांव जा रहा था। इसी दौरान रायकेरा के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान करने और चालक का पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच में जुटी है।

मुख्यमंत्री को जगन्नाथपुर रथ यात्रा महोत्सव का मिला निमंत्रण

रांची : कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मंगलवार को जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें आगामी जगन्नाथपुर रथ यात्रा महोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को महोत्सव की तैयारियों और स्थानीय जनभावनाओं से अवगत कराते हुए बताया कि इस वर्ष रथ यात्रा महोत्सव का शुभारंभ 16 जुलाई से होगा। समिति ने मुख्यमंत्री से उद्घाटन समारोह में शामिल होकर महोत्सव की गरिमा बढ़ाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा दिए गए आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए रथ यात्रा महोत्सव की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आस्था और सामाजिक समरसता का संदेश लेकर आएगा। प्रतिनिधिमंडल में जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष एनएन पांडे, प्रथम सेवक (सेवायत) ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, सचिव प्रसन्न कुमार, सदस्य गोपाल उपाध्याय, नीतू देवी, कमल ठाकुर तथा सहयोगी अमरदीप कौशल शामिल थे।

झारखंड में समाहरणालय लिपिकीय संवर्ग के लिए नई नियमावली लागू

रांची : झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने राज्य के समाहरणालयों में कार्यरत लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों की सेवा को विनियमित करने के लिए ह्झारखंड राज्य समाहरणालय लिपिकीय संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्तें) नियमावली, 2026ह्ल अधिसूचित कर दी है। यह नियमावली राज्य में राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी। नई नियमावली में लिपिकीय संवर्ग की संरचना, भर्ती, प्रोन्नति, वरीयता, परिवीक्षा, सेवा शर्तों तथा अन्य प्रशासनिक प्रावधानों को स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है। इसके तहत सहायक-सह-कंप्यूटर संचालक एवं वरीय सहायक सहित विभिन्न पदों की नियुक्ति और पदोन्नति की प्रक्रिया को व्यवस्थित किया गया है। अधिसूचना के अनुसार, पूर्व में लागू झारखंड राज्य समाहरणालय लिपिकीय संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्तें) नियमावली, 2016 को निरस्त कर दिया गया है। हालांकि, 2016 की नियमावली के तहत पूर्व में की गई नियुक्तियां, कार्रवाई एवं आदेश वैध माने जाएंगे। यह अधिसूचना राज्यपाल के आदेश से जारी की गई है।

रिम्स-2 निर्माण रोकने की साजिश कर रही भाजपा : अख्तर अली

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अख्तर अली ने रिम्स-2 के निर्माण को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि पार्टी विकास कार्यों में बाधा डालने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता के स्वास्थ्य हित से जुड़े रिम्स-2 जैसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को रोकने के लिए भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है।

अख्तर अली ने कहा कि रिम्स-2 राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनता द्वारा नकारे जाने के बाद अब विकास कार्यों को प्रभावित करने के लिए विभिन्न माध्यमों का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि संघीय व्यवस्था में आयोगों की भूमिका अनुशंसात्मक होती है और राज्य सरकार जनहित से जुड़े कार्यों को किसी राजनीतिक दबाव में रोकने वाली नहीं है। उन्होंने दावा किया कि रिम्स-2 का निर्माण हर हाल में पूरा किया जाएगा।

कांग्रेस प्रवक्ता ने भाजपा से सवाल किया कि क्या वह चाहती है कि गरीब मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा न मिले और क्या राज्य का विकास रोकना ही उसका उद्देश्य रह गया है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी बाधा के बावजूद जनहित के कार्य जारी रहेंगे।

मोरहाबादी में रांची नगर निगम की सख्ती, सड़क किनारे लगे सब्जी-फल के ठेले हटाए

अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत निगम की कार्रवाई दोबारा दुकान लगाने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

संवाददाता

रांची : रांची के मोरहाबादी क्षेत्र में रांची नगर निगम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत सड़क किनारे लगाए गए सब्जी एवं फल के ठेलों और अस्थायी दुकानों को हटाया। निगम की टीम ने सड़क पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों को हटाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि दोबारा सड़क किनारे दुकान लगाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि सड़क किनारे अवैध रूप से दुकानें लगाए जाने से यातायात बाधित हो रहा था और आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें स्वयं हटा लीं, जबकि कुछ ठेलों को निगम की टीम ने मौके से हटाया। नगर निगम की इस कार्रवाई से सब्जी एवं फल विक्रेताओं में नाराजगी देखने को मिली। कई महिला विक्रेताओं ने कहा कि ठेला लगाकर ही उनके परिवार का भरण-पोषण होता है। उनका कहना था कि यदि सड़क किनारे दुकान लगाने की अनुमति नहीं मिलेगी तो उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। महिलाओं ने नगर निगम से वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की मांग भी की। नगर निगम ने लोगों से अपील की है कि सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर अतिक्रमण न करें तथा निर्धारित स्थानों पर ही दुकान लगाएं, ताकि शहर में यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

जगन्नाथपुर रथ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, उपायुक्त और एसएसपी ने किया मार्ग व मेला क्षेत्र का निरीक्षण

रांची: ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा-2026 की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने संयुक्त रूप से रथ यात्रा मार्ग और मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात, स्वास्थ्य, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद नीलाद्री प्रशासनिक भवन में बैठक आयोजित कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने रथ यात्रा मार्ग को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तत्काल शुरू की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। स्वास्थ्य एवं आपातकालीन व्यवस्था को लेकर मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस और मेडिकल टीम की तैनाती के निर्देश दिए गए। वहीं विद्युत विभाग को खुले तारों की जांच कर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने और पर्याप्त बैकअप रखने को कहा गया। मेला क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई, पर्याप्त बायो टॉयलेट और पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पूरे क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और कंट्रोल रूम से 24 घंटे निगरानी की जाएगी। इसके अलावा अग्निशमन वाहन को भी तैयार स्थिति में रखने का निर्देश दिया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रथ यात्रा मार्ग और मेला क्षेत्र में खोया-पाया केंद्र स्थापित किया जाएगा। मीडिया कवरेज के लिए वॉच टावर की व्यवस्था भी की जाएगी।

धुर्वा में फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंट की कथित प्रताड़ना से ऑटो चालक ने की आत्महत्या

सड़क जाम कर फूटा लोगों का गुस्सा

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र में एक ऑटो चालक द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना ने सनसनी फैला दी। परिजनों का आरोप है कि फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंटों द्वारा लगातार मानसिक दबाव, बदसलूकी और धमकियों से परेशान होकर चालक ने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की।

मृतक की पत्नी सुमन देवी ने बताया कि फाइनेंस कंपनी के

कर्मचारी आए दिन उनके घर पहुंचकर हंगामा करते थे, अपमानजनक व्यवहार करते थे तथा पैसे की वसूली के नाम पर लगातार धमकियां देते थे। उनके अनुसार, इस मानसिक प्रताड़ना और सामाजिक बदनामी के डर से उनके पति सूरज पूरी तरह टूट चुके थे और अंततः आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठा लिया।घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और सड़क जाम कर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषी रिकवरी एजेंटों और संबंधित फाइनेंस कंपनी के जिम्मेदार लोगों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और न्याय दिलाने की मांग की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों सहित सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी तथा जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रेम प्रसंग का दर्दनाक अंत रांची में प्रेमी ने गला दबाकर की महिला की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत केतारी बगान घाट रोड स्थित एक किराये के मकान में रहने वाली महिला रानी कुमारी उर्फ पूजा कुमारी की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, महिला की हत्या उसके प्रेमी ने ही गला दबाकर की थी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, महिला का शव उसके कमरे में बेड पर संदिग्ध अवस्था में मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को मिले साक्ष्यों और पूछताछ में सामने आया कि महिला और आरोपी के बीच प्रेम संबंध था। किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी ने गुस्से में महिला का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य सुरागों के आधार पर आरोपी राहुल कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है तथा स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम– निशा कुमारी, उम्र–18 वर्ष, ऊँचाई– 5 फिट 5 ईंच, रंग– गोरा
पहनावा– हरा रंग का टी शर्ट एवं भूरा रंग का जीन्स पैंट पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता लड़की निशा कुमारी, उम्र–18 वर्ष, पिता–विदेशी साहू, सा0–गुरु, पो0–पांचा, थाना–ओरमॉझी, जिला–राँची जो दिनांक–15.06.2026 को घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में ओरमॉझी थाना सनहा सं0–28/2026, दिनांक–20.06.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता लड़की कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID (rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, राँची। – 9431770066
थाना प्रभारी, ओरमॉझी, राँची। – 9431706183
आवेदिका अनिता देवी। – 9931585940

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 384242 Police (26-27)_D

गंगा प्रसाद बुधिया सरस्वती विद्या मंदिर में युवा संवाद कार्यक्रम का हुआ समापन

रांची : न्यू एरिया, मोराबादी स्थित गंगा प्रसाद बुधिया सरस्वती विद्या मंदिर में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा भारतीय जीवन मूल्यों एवं स्व आधारित जीवन की अवधारणा से परिचित कराना था। कार्यक्रम में कक्षा नौवीं और दसवीं के लगभग 150 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, राँची महानगर के प्रचारक विशाल जी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से केवल अपने अधिकारों के प्रति ही नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्यों के प्रति भी समान रूप से सजग और जिम्मेदार बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ह्यस्वह्व आधारित जीवन का अर्थ अपनी संस्कृति, परंपराओं, मूल्यों और स्वाभिमान से जुड़कर जीवन जीना है। यदि युवा अपनी जड़ों से जुड़े रहेंगे तो देश का भविष्य और अधिक सशक्त होगा।

बारिश के बीच रांची नगर निगम अलर्ट, 14 जगहों पर जलजमाव का त्वरित समाधान

रांची : लगातार हो रही बारिश को देखते हुए रांची नगर निगम ने शहर में जलजमाव की स्थिति से निपटने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर निगम की क्विक रिस्पांस टीम को अलर्ट मोड में रखा गया है, जो जलजमाव की शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई कर रही है।

नगर निगम के अनुसार, 6 और 7 जुलाई को शहर के 14 स्थानों से अल्पकालीन जलजमाव की शिकायतें प्राप्त हुईं। शिकायत मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर मोटर पंप, सुपर शकर मशीन, जेसीबी और सफाई मित्रों की सहायता से जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की और स्थिति को सामान्य किया।

जिन क्षेत्रों में कार्रवाई की गई, उनमें वार्ड-28 का बर्फ फैक्ट्री गली, वार्ड-25 में बिजली ऑफिस के पास, वार्ड-26 का अशोकपुरम रोड, वार्ड-27 का किशोरगंज रोड नंबर-6 और इरगुटोली, वार्ड-32 का विजय पथ, वार्ड-33 के राधा नगर, आनंद नगर और शांति नगर, वार्ड-34 के पाव टोली और विद्यानगर, वार्ड-35 का डिपाटोली, वार्ड-36 के अरगोड़ा हाउसिंग कॉलोनी और लाजपत नगर, वार्ड-3 का मान्या पैलेस एवं मोरहाबादी लेबर बाजार, वार्ड-20 का कार्ट सराय रोड तथा वार्ड-53 का परमार्थ नगर, तुपुदाना सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

नगर निगम ने बताया कि सभी क्विक रिस्पांस टीमों को 24 घंटे सक्रिय रखा गया है। इसके अलावा जलजमाव की संभावना वाले संवेदनशील क्षेत्रों में नालियों की विशेष सफाई और लगातार निगरानी की जा रही है।

नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि जलजमाव या जल निकासी से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना तत्काल निगम के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-570-1235 पर दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

श्री श्याम मंदिर में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से मंगलवार को हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 211वां श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बालाजी महाराज की आराधना की।

मंडल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बलराम मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कराई। इस अवसर पर बलराम मोदी ने केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। यजमान ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का पूजन कर पाठ वाचकों का चंदन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक और ढपली की मधुर धुनों पर श्री गणेश वंदना के साथ हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के साथ संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया गया। भक्ति गीतों और भजनों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। सुंदरकांड पाठ के समापन के बाद पुनः हनुमान चालीसा का पाठ कर महाआरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद, पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा, मनीष साहू ने गिरिगोला और राजेश जायसवाल ने फल प्रसाद की सेवा दी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़िया, कृष्णा, अंकित सिंह, संकेत चौधरी, ऋषभ चौरसिया, हर्ष मिश्रा, हिमांशु कुमार सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–रमेश कुमार राय, उम्र–63 वर्ष, ऊँचाई–6 फीट, रंग–गोरा,

उपरोक्त लापता व्यक्ति रमेश कुमार राय, उम्र–63 वर्ष, पिता–स्व0 जगरनाथ राय, पता–हवाई नगर, रोड नं0–14 बिरसा चौक, थाना–जगरनाथपुर, जिला–राँची जो दिनांक–14.05.2026 को घर से बगैर बताए कहीं चले जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में जगरनाथपुर थाना सन्हा सं0–17/2026, दिनांक–16.06.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची। – 9431706143
थाना प्रभारी, जगरनाथपुर, राँची। – 9431706169
आवेदिका वृजनानो। – 9508973193

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR 384256 Police(26-27)D

रांची नगर निगम के पेंशनरों की समस्याओं का होगा समाधान

तीन माह से लंबित पेंशन का एक सप्ताह में भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश

रांची : रांची नगर निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने मंगलवार को स्थापना शाखा और पेंशन शाखा के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पेंशन भुगतान से जुड़े लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई और अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में नगर निगम में कुल 388 पेंशनभोगी और 106 पारिवारिक पेंशनभोगी हैं। नगर आयुक्त ने सभी लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए विलंब के

कारणों की समीक्षा की और समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा।

नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि जिन पेंशनभोगियों की पेंशन तीन माह से लंबित है, उनका भुगतान हर हाल में एक सप्ताह के अंदर सुनिश्चित किया जाए, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

पारिवारिक पेंशन से जुड़े लंबित मामलों पर भी बैठक में चर्चा की गई। नगर आयुक्त ने संबंधित प्रक्रियाओं को जल्द पूरा कर सक्षम स्तर से निर्णय लेने की दिशा में कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उन्होंने 11 जुलाई 2026 को रांची नगर निगम कार्यालय में पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया है। शिविर में लाभार्थियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने को कहा गया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी आवेदकों को सहयोग प्रदान करते हुए उनके मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। शिविर की कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट 13 जुलाई को नगर आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि रांची नगर निगम अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान, अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। पेंशन से जुड़े प्रत्येक मामले का नियमानुसार और प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। बैठक में सहायक नगर आयुक्त दिलीप कुमार, लेखा पदाधिकारी, स्थापना शाखा प्रभारी, शाखा सहायक सहित स्थापना शाखा के अन्य कर्मी मौजूद थे।

उपायुक्त का न्यायालय, हजारीबाग।
(विधि शाखा)

ज्ञापांक............/विधि, दिनांक.......——————......./2026

Sarfaesi Case No. 124/2025

Bank of India -Vs.- Mrs. Seema Devi & Ors.

नोटिस बनाम–

1. Mrs. Seema Devi,
   W/o Sanjay Kumar
   Resident of Shivpuri, Okni No. 02, Hazaribag
   PO+PS Hazaribag
2. Mr. Sanjay Kumar
   S/o Bijay Prasad
   Resident of Shivpuri, Okni No. 02, Hazaribag
   PO+PS Hazaribag

वजरिये इस नोटिस के द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरुद्ध SARFAESI अधिनियम की धारा 14 के अन्तर्गत उपायुक्त, हजारीबाग के न्यायालय में ऋण की वसूली हेतु बंधक प्रतिभूति (Mortgage Security) के दखल कराने के लिए आवेदन दायर किया गया है जिसकी सुनवाई के क्रम में आप लगातार अनुपस्थित हैं।

अतः न्यायालय के सुनवाई के क्रम में दिनांक 19.06.2026 को पारित आदेश के आलोक में निर्धारित तिथि **21.07.2026** को सभी साक्ष्य एवं कागजात के साथ 11:00 बजे पूर्वा0 उपायुक्त महोदय के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से निश्चित रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने हेतु आपको अंतिम अवसर दिया जा रहा है, अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय सुनवाई कर आदेश पारित कर दिया जायेगा।

नोटिस न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

प्रभारी पदाधिकारी,
विधि शाखा, हजारीबाग।

PR 384284 (Law) 26-27 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

एआई विकास में मानवीय पहलू को मिले तरजीह

मानवता के लिए एआई के करिश्माई फायदे सामने आ रहे हैं। यह तकनीक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सक्षम है लेकिन इससे प्राइवेसी, रोजगार, असमानता और मानवीय मूल्यों से जुड़े खतरे भी हैं। विशेषज्ञों व नीति नियंताओं का दायित्व है कि एआई के उपयोग में मानवीय गरिमा तथा प्रभावी वैश्विक नियमन को प्राथमिकता मिले। मानवता की सेवा में विज्ञान और नवाचार की असीम संभावनाओं का उपयोग करते हुए, मानव इतिहास के सबसे अहम दौर में, एआई क्रांति एक परिवर्तनकारी क्षण के रूप में दिखाई देती है। प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौतियों से निबटने में सशक्त बनाने वाली इसकी क्षमता उपलब्धियों पर गर्व करने को जायज ठहराती है, वह उपलब्धि जिससे देवता तक इर्ष्या करें, जो मानवता की संयुक्त आविष्कारक क्षमता का सम्मान है। दोहराव वाले ऊबाऊ कार्यों का स्वचालन कर फुर्सत के लिए समय उपलब्ध कराना, जरूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, चिकित्सा में नई खोजें, दीघार्यु बनाना और बेहतर स्वास्थ्य सेवा यकीनी बनाना, जिसमें कैंसर जांच और घातक बीमारियों का पूवार्नुमान भी शामिल है, रोगियों की रोबोटिक देखभाल, वंचित वर्गों को मदद का अधिक प्रभावी और लक्षित वितरण, सभी के लिए शिक्षा और ज्ञान तथा आपदा प्रबंधन व मौसम पूवार्नुमान सहित अनेक तरीकों से पर्यावरण सततता बनाने में व्यापक योगदान, ये सभी अधिक समावेशी विकास उद्देश्य की दिशा में एआई के कुछ सबसे अहम योगदान हैं।

फिर भी, मानव समाज के भविष्य और ह्यबुद्धिमत्ता की नियतिह्ल से जुड़े प्रश्नों पर दार्शनिकों, वैज्ञानिकों, नेताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच बहस जारी है। इनमें से कुछ उस एआई के भावी विकास व क्रियान्वयन पर विराम लगाने की अपील करते हैं, जो हमारी मानवता की अवधारणा को ही अपहृत कर सकती हो। वहीं एआई समर्थकों के दावे हैं कि इसकी मदद से वस्तुओं एवं सेवाओं की ह्यअद्भुत प्रचुरताह्ल बनेगी और चेतावनी देते हैं कि नियमन से वैज्ञानिक प्रगति धीमा करने से उन अहम प्रश्नों का सामना करना पड़ेगा जो मानवीय संवेदनाओं और सहस्राब्दियों तक चली सांस्कृतिक विकास-यात्रा के जरिये हमारे अस्तित्व की गहराइयों में समाहित भावनाओं के आधार पर नैतिक सुरक्षा-सीमाओं की आवश्यकता रेखांकित करते हैं। हम कौन हैं, और क्या हम मानवता के ऐसे नए नैरेटिव के लिए तैयार हैं जिसमें कार्यात्मक दक्षता और वादे मुताबिक भौतिक समृद्धि, मानवीय आकांक्षाओं व भावनाओं की गरिमा पर हावी हो जाए, यह एक अपरिहार्य प्रश्न है, जिसने तकनीकी चमत्कारों के आकर्षण में बहने को रोके रखा है। यह इसलिए अहम है कि एआई तकनीक मानवीय भावनाओं और अंतर्ज्ञान को समझने सहित संज्ञानात्मक कौशलों की नकल कर सकती है, व कई बार बेहतर प्रदर्शन भी कर सकती है। क्या हम अनंत तकनीकी उथल-पुथल और रोजगार बाजार में दीर्घकालिक अस्थिरता से पैदा ह्यतनावह्ल की वैश्विक महामारीह्ल के लिए तैयार हैं, साथ ही ह्यबेकारह्ल हुए करोड़ों लोगों की अनुमानित भीड़ के लिए, जिसे तकनीकी परिवर्तन के प्रभावों से तालमेल बैठाने में असहनीय तनाव झेलना पड़ेगा? क्या हमारे पास ऐसे सामाजिक-आर्थिक मॉडल हैं जो व्यक्ति का आत्मसम्मान बचा पाएं और सबके लिए अपनत्व व भावनात्मक कल्याण से पूर्ण जीवन यकीनी बनाएं? ये दार्शनिक प्रश्न इंसानी नजरिये से पैदा होते हैं, जिसकी नींव मानवीय मूल्यों पर टिकी है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है कि ह्यमन के उस गुप्त क्षेत्र को कैसे सुरक्षित रखा जाए, जहां से भावनाएं जन्मती हैं, प्रेरणा बहती है, व इच्छाएं स्पंदित होती हैं- मानवीय आत्मा का वह आत्मपरक पक्ष जो हम सब को अनिवार्यतः वह बनाता है, जो हम हैंह्ल।

एआई विकास में मानवीय पहलू को मिले तरजीह मानवता के लिए एआई के करिश्माई फायदे सामने आ रहे हैं। यह तकनीक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सक्षम है लेकिन इससे प्राइवेसी, रोजगार, असमानता और मानवीय मूल्यों से जुड़े खतरे भी हैं। विशेषज्ञों व नीति नियंताओं का दायित्व है कि एआई के उपयोग में मानवीय गरिमा तथा प्रभावी वैश्विक नियमन को प्राथमिकता मिले। मानवता की सेवा में विज्ञान और नवाचार की असीम संभावनाओं का उपयोग करते हुए, मानव इतिहास के सबसे अहम दौर में, एआई क्रांति एक परिवर्तनकारी क्षण के रूप में दिखाई देती है। प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौतियों से निबटने में सशक्त बनाने वाली इसकी क्षमता उपलब्धियों पर गर्व करने को जायज ठहराती है, वह उपलब्धि जिससे देवता तक इर्ष्या करें, जो मानवता की संयुक्त आविष्कारक क्षमता का सम्मान है। दोहराव वाले ऊबाऊ कार्यों का स्वचालन कर फुर्सत के लिए समय उपलब्ध कराना, जरूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, चिकित्सा में नई खोजें, दीघार्यु बनाना और बेहतर स्वास्थ्य सेवा यकीनी बनाना, जिसमें कैंसर जांच और घातक बीमारियों का पूवार्नुमान भी शामिल है, रोगियों की रोबोटिक देखभाल, वंचित वर्गों को मदद का अधिक प्रभावी और लक्षित वितरण, सभी के लिए शिक्षा और ज्ञान तथा आपदा प्रबंधन व मौसम पूवार्नुमान सहित अनेक तरीकों से पर्यावरण सततता बनाने में व्यापक योगदान, ये सभी अधिक समावेशी विकास उद्देश्य की दिशा में एआई के कुछ सबसे अहम योगदान हैं।

फिर भी, मानव समाज के भविष्य और ह्यबुद्धिमत्ता की नियतिह्ल से जुड़े प्रश्नों पर दार्शनिकों, वैज्ञानिकों, नेताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच बहस जारी है। इनमें से कुछ उस एआई के भावी विकास व क्रियान्वयन पर विराम लगाने की अपील करते हैं, जो हमारी मानवता की अवधारणा को ही अपहृत कर सकती हो। वहीं एआई समर्थकों के दावे हैं कि इसकी मदद से वस्तुओं एवं सेवाओं की ह्यअद्भुत प्रचुरताह्ल बनेगी और चेतावनी देते हैं कि नियमन से वैज्ञानिक प्रगति धीमा करने से उन अहम प्रश्नों का सामना करना पड़ेगा जो मानवीय संवेदनाओं और सहस्राब्दियों तक चली सांस्कृतिक विकास-यात्रा के जरिये हमारे अस्तित्व की गहराइयों में समाहित भावनाओं के आधार पर नैतिक सुरक्षा-सीमाओं की आवश्यकता रेखांकित करते हैं। हम कौन हैं, और क्या हम मानवता के ऐसे नए नैरेटिव के लिए तैयार हैं जिसमें कार्यात्मक दक्षता और वादे मुताबिक भौतिक समृद्धि, मानवीय आकांक्षाओं व भावनाओं की गरिमा पर हावी हो जाए, यह एक अपरिहार्य प्रश्न है, जिसने तकनीकी चमत्कारों के आकर्षण में बहने को रोके रखा है। यह इसलिए अहम है कि एआई तकनीक मानवीय भावनाओं और अंतर्ज्ञान को समझने सहित संज्ञानात्मक कौशलों की नकल कर सकती है, व कई बार बेहतर प्रदर्शन भी कर सकती है। क्या हम अनंत तकनीकी उथल-पुथल और रोजगार बाजार में दीर्घकालिक अस्थिरता से पैदा ह्यतनावह्ल की वैश्विक महामारीह्ल के लिए तैयार हैं, साथ ही ह्यबेकारह्ल हुए करोड़ों लोगों की अनुमानित भीड़ के लिए, जिसे तकनीकी परिवर्तन के प्रभावों से तालमेल बैठाने में असहनीय तनाव झेलना पड़ेगा? क्या हमारे पास ऐसे सामाजिक-आर्थिक मॉडल हैं जो व्यक्ति का आत्मसम्मान बचा पाएं और सबके लिए अपनत्व व भावनात्मक कल्याण से पूर्ण जीवन यकीनी बनाएं? ये दार्शनिक प्रश्न इंसानी नजरिये से पैदा होते हैं, जिसकी नींव मानवीय मूल्यों पर टिकी है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है कि ह्यमन के उस गुप्त क्षेत्र को कैसे सुरक्षित रखा जाए, जहां से भावनाएं जन्मती हैं, प्रेरणा बहती है, व इच्छाएं स्पंदित होती हैं- मानवीय आत्मा का वह आत्मपरक पक्ष जो हम सब को अनिवार्यतः वह बनाता है, जो हम हैं।

कलकत्ता विश्वविद्यालय की गरिमा को पुर्नस्थापित करने का अवसर

ये सभी सरकारी विश्वविद्यालय थे जिनकी देखरेख और व्यवस्था राज्य के अधीन थी। शुरू में विश्वविद्यालय का कार्य मात्र परीक्षा आयोजित करने तक सीमित था। धीरे-धीरे उनमें अध्ययनझअध्यापन के साथ शिक्षा देने का कार्य भी शुरू हुआ। कालांतर में अध्ययन विषयों का विस्तार भी हुआ जो विशिष्टीकरण और अब अंतरानुशासनिक दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

गिरीश्वर मिश्र

सन 1857 भारतवर्ष के इतिहास में एक प्रस्थान बिंदु के रूप में स्मरण किया जाता है। तब इतिहास ने करवट ली थी और देश का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का आरंभ हुआ था। इस अत्यंत महत्वपूर्ण घटना की स्मृति के बीच दूसरी बातें अलक्षित ही रह जाती हैं। यह तथ्य भुला दिया जाता है कि उसी वर्ष भारत में पहला आधुनिक विश्वविद्यालय स्थापित हुआ था। अंग्रेजी शासन के केंद्र रहे कलकत्ता में पहले विश्वविद्यालय का आरंभ हुआ था। उसके साथ ही बांबे (अब मुंबई) और मद्रास की रेज़िडेंसियों और फिर 1887 में इलाहाबाद में विश्वविद्यालय स्थापित हुए जिन्होंने देश में आधुनिक ढंग की उच्च शिक्षा की नींव रखी। ये सभी सरकारी विश्वविद्यालय थे जिनकी देखरेख और व्यवस्था राज्य के अधीन थी। शुरू में विश्वविद्यालय का कार्य मात्र परीक्षा आयोजित करने तक सीमित था। धीरे-धीरे उनमें अध्ययनझअध्यापन के साथ शिक्षा देने का कार्य भी शुरू हुआ। कालांतर में अध्ययन विषयों का विस्तार भी हुआ जो विशिष्टीकरण और अब अंतरानुशासनिक दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के केंद्र बनने लगे और वहाँ शिक्षण के साथ विभिन्न विषयों में अनुसंधान का काम भी शुरू हुआ। स्वतंत्रता मिलने के बाद सामाजिक विकास की दृष्टि से देश में शिक्षा के प्रसार की जरूरत महसूस की गई। खासतौर पर आम जनता के लिए शिक्षा पाने की सुविधा बढ़ाने की दृष्टि से भारत में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की संख्या बढ़ने लगी। विगत कुछ दशकों में उनकी संख्या में बड़ी तेजी से उछाल आया है। आज पूरे भारत में ग्यारह सौ से अधिक विश्वविद्यालय हैं और चालीस हजार से ज्यादा महाविद्यालय जिनमें उच्च शिक्षा दी जाती है। सरकारी, अर्ध सरकारी, निजी, विदेशी आदि कई तरह के विश्वविद्यालय शामिल हैं। इनमें कुछ ह्यडीम्ड टू बीह्ल विश्वविद्यालय भी हैं। इनमें कई तरह का स्तर भेद मौजूद है। विश्वविद्यालयों की संख्या में निश्चित ही कई गुनी वृद्धि दर्ज हुई है। इनमें बहुत सारे गैर सरकारी विश्वविद्यालय धनी लोगों द्वारा या व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा व्यापार-व्यवसाय की तर्ज पर धनार्जन के लिए चल रहे हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों से अधिकाधिक धन उगाही करना है। इन विश्वविद्यालयों में शिक्षा किस तरह की है और उसकी गुणवत्ता कैसी है यह एक अलग विचारणीय प्रश्न है। इन प्रश्नों को लेकर सबके मन में संशय बना हुआ है। उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय मानकों को देखें तो स्थिति निराशाजनक है और चिंता का कारण है। पिछले वर्षों में विश्वगुरु बनने की बात की जाती रही है और नालंदा, तक्षशिला, वल्लभी, ओदंतपुरी जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों और वहाँ के गुरुओं की प्रतिभा का स्मरण किया जाता है। शिक्षा का यह समृद्ध अतीत निश्चय ही गौरवशाली है और देश के लिए गर्व का कारण है। परंतु आज की स्थिति यही है कि एक भी विश्वविद्यालय देश में ऐसा नहीं है जिसे स्वीकृत मानदंडों पर विश्वस्तरीय (वर्ल्ड क्लास) का दर्जा दिया जा सके। इसलिए प्रतिभावान भारतीय छात्रों के मन में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों में शिक्षा पाने का तीव्र आकर्षण है। इसी का लाभ उठाते हुए कई विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपना परिसर खोल रहे हैं और विद्यार्थी वहाँ दाखिला भी ले रहे हैं। साथ ही सामर्थ्य रखने वाले साधन संपन्न अभिभावक अपने बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा दिलाने के लिए तत्पर रहते हैं।

समय कभी रुकता नहीं और अब कलकत्ता विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 170वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है । साथ ही यहाँ के युवतम कुलपति रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती का भी यह वर्ष है। वे 33 वर्ष की आयु में ही कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुए थे और विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों के पठन-पाठन में अनेक सुधार किए। यही नहीं, उन्होंने बांग्ला भाषा को वहाँ शिक्षा का माध्यम बनाया, गुरुदेव टैगोर को बांग्ला भाषा साहित्य का विशिष्ट प्रोफेसर नियुक्त किया। गुरुदेव ने डॉ. मुखर्जी के आग्रह पर वहाँ 1937 में बांग्ला में दीक्षांत भाषण दिया था। डॉ. मुखर्जी ने विश्वविद्यालय में अनेक नवाचार भी किए। वे समाज के हर स्तर पर शिक्षा का प्रसार चाहते थे ताकि युवा वर्ग में मूल्यों का विकास हो सके। वह सांस्कृतिक जीवन और व्यावसायिक शिक्षा के बीच समुचित संबंध के पक्षधर थे। वे यह भी मानते थे कि उदार और मुक्त परिवेश में राष्ट्रीय संस्कृति के अनुरूप शिक्षा दी जानी चाहिए।

भारत स्थित उच्च शिक्षा संस्थानों के जीवन विस्तार की दृष्टि से विचार करें तो कलकत्ता विश्वविद्यालय जितनी लंबी अवधि विशेष महत्व रखती है। वस्तुतः यह शिक्षा संस्थान आधुनिक भारत के जन्म और उसके नव-निर्माण का साक्षी है। देश के विस्तृत इतिहास के कई कालखण्डों की धड़कनों को अपने में समेटे हुए है। वर्तमान में यह राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय है जिसमें अनेकानेक विषयों और पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होती है। इस विश्वविद्यालय का अत्यंत गौरवशाली अतीत है। इसकी पहले सीनेट में पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर एक सम्मानित सदस्य थे। ह्यबंदे मातरमह्ल के अमर गायक ख्यातिलब्ध रचनाकार साहित्य सम्राट बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय इस विश्वविद्यालय से अध्ययन कर निकलने वाले प्रथम स्नातक थे। यह भारत का अकेला विश्वविद्यालय है, जहाँ से चार नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्वान जुड़े रहे, दो स्वतंत्रता मिलने के पहले और दो स्वतंत्रता मिलने के बाद। इस विश्वविद्यालय में गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर बाँग्ला भाषा और साहित्य के और सर सीवी रमन भौतिकी के प्राध्यापक थे। प्रोफेसर अमर्त्य सेन और प्रोफेसर अभिजीत बनर्जी यहाँ के आनर्स के छात्र थे। यहाँ अध्यापन करने वालों में रसायन शास्त्री प्रफुल्ल चंद्र रे, दार्शनिक ब्रजेन्द्रनाथ सील तथा सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भौतिकीविद सत्येंद्रनाथ बोस तथा मेघनाद साहा, भौतिकीविद् एवं जीव वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस भी थे। महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाषचंद्र बोस, देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद यहीं से पढ़ कर निकलने वाली विभूतियां थीं। इन सबने असंदिग्ध रूप से ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में और देश सेवा के लिए अमूल्य योगदान किया, ख्याति अर्जित की और देश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया। विश्वविद्यालयों की एनआईआरएफ की वर्ष 2025 की ताजा रैंकिंग की सूची में कलकत्ता विश्वविद्यालय का नाम देश के विश्वविद्यालयों में 37 वें स्थान पर दिख रहा है। आज कलकत्ता विश्वविद्यालय में मानविकी, भौतिक विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, जीव-विज्ञान, प्राच्य अध्ययन आदि अनेक विषयों की पढ़ाई हो रही है। भारतीय और अवार्चीन दोनों तरह की ज्ञान-धाराओं का प्रवाह यहाँ सरलता से देखा जा सकता है। गौरतलब है कि इनमें से कई विषयों की पढ़ाई भारत में पहली बार कलकत्ता विश्वविद्यालय में ही शुरू हुई थी। बहुत से आविष्कार और सिद्धांतों की जननी यह संस्था आधुनिक भारत की विश्वस्तरीय संस्था बनने की संभावना रखती है।

थकी हुई वर्दी, टूटता हुआ मन

समाज उससे हर समय तत्पर, अनुशासित, निष्पक्ष और संवेदनशील रहने की अपेक्षा करता है। विडंबना यह है कि जो व्यवस्था पूरे समाज को सुरक्षा का भरोसा देती है, उसी व्यवस्था के भीतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की मानसिक सुरक्षा और भावनात्मक आवश्यकताओं पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। बाहर से रोबदार दिखने वाली

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी देश की कानून-व्यवस्था का सबसे दृश्यमान चेहरा पुलिस होती है। जब कोई अपराध होता है, दुर्घटना घटती है, दंगा भड़कता है, प्राकृतिक आपदा आती है या किसी नागरिक को तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है तो सबसे पहले पुलिस ही सामने दिखाई देती है। समाज उससे हर समय तत्पर, अनुशासित, निष्पक्ष और संवेदनशील रहने की अपेक्षा करता है। विडंबना यह है कि जो व्यवस्था पूरे समाज को सुरक्षा का भरोसा देती है, उसी व्यवस्था के भीतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की मानसिक सुरक्षा और भावनात्मक आवश्यकताओं पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। बाहर से रोबदार दिखने वाली वर्दी के भीतर भी एक संवेदनशील मन धड़कता है, जो लगातार बढ़ते तनाव, कार्यभार, पारिवारिक दूरियों और संस्थागत दबावों के बीच धीरे-धीरे टूटता चला जाता है।

हाल ही में पुलिस इंस्पेक्टर श्रवण कुमार बिश्नोई की आत्महत्या की खबर ने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया। किसी भी आत्महत्या के पीछे के कारणों का अंतिम निर्धारण केवल आधिकारिक जांच से ही संभव है इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना उचित नहीं होगा। फिर भी यह दुखद घटना पुलिस बल में मानसिक तनाव, कार्य संस्कृति और मनोवैज्ञानिक सहयोग की आवश्यकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं बल्कि उस व्यवस्था का आईना भी है, जहाँ कर्तव्य निभाते-निभाते कई बार इंसान स्वयं अपने भीतर हारने लगता है। हमारे समाज में पुलिस की छवि अक्सर अधिकार, शक्ति और कठोरता से जुड़ी रही है। आम नागरिक मान लेते हैं कि पुलिसकर्मी भावनाओं से परे होते हैं, उन्हें दर्द नहीं होता, वे कभी नहीं टूटते। यही सबसे बड़ी भूल है। पुलिसकर्मी भी उसी समाज के सदस्य हैं। वे भी किसी के बेटे-बेटी, पति-पत्नी, माता-पिता और मित्र होते हैं। उन्हें भी अपनों की चिंता होती है, आर्थिक जिम्मेदारियाँ होती हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं और भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होती है। अंतर केवल इतना है कि वे अपने दुख को अक्सर वर्दी के भीतर छिपाकर रखना सीख जाते हैं। पुलिस सेवा का वास्तविक स्वरूप फिल्मों और धारावाहिकों से बिल्कुल अलग है। अधिकांश पुलिसकर्मियों का दिन कब शुरू होता है और कब समाप्त, इसका निश्चित समय नहीं होता। आठ घंटे की ड्यूटी का सिद्धांत व्यवहार में शायद ही कहीं पूरी तरह लागू दिखाई देता है। त्योहार हो, चुनाव हो, वीआईपी दौरे हों, धरना-प्रदर्शन हो, प्राकृतिक आपदाएँ हों या अपराध की गंभीर घटनाएँ- हर स्थिति में सबसे पहले पुलिस को तैनात किया जाता है। कई बार लगातार चौबीस-चौबीस घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ती है। पर्याप्त नींद, नियमित भोजन और पारिवारिक समय उनके जीवन में विलासिता बन जाते हैं। विश्व भर के मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि लगातार नींद की कमी, अत्यधिक कार्यभार और भावनात्मक तनाव किसी भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। पुलिसकर्मी प्रतिदिन हत्या, आत्महत्या, सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा, यौन अपराध और अन्य दर्दनाक घटनाओं का सामना करते हैं। सामान्य नागरिक जिन दृश्यों को केवल समाचारों में देखते हैं, पुलिस उन्हें प्रत्यक्ष रूप से झेलती है। ऐसे अनुभव धीरे-धीरे मन पर गहरे घाव छोड़ते हैं। यदि समय पर भावनात्मक सहयोग न मिले तो यही दबाव अवसाद, चिंता, चिड़चिड़ेपन और कई बार आत्मघाती विचारों तक पहुँच सकता है।

पुलिस व्यवस्था की आंतरिक संरचना भी कई बार तनाव को बढ़ा देती है। वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव, समयबद्ध परिणाम देने की अपेक्षा, राजनीतिक हस्तक्षेप, संसाधनों की कमी और निरंतर जवाबदेही अधीनस्थ कर्मचारियों के मानसिक बोझ को कई गुना बढ़ा देती है। अनुशासन किसी भी सुरक्षा बल की आवश्यकता है लेकिन अनुशासन और मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। यदि अधीनस्थ कर्मचारी अपनी समस्याएँ खुलकर साझा करने से डरने लगें तो तनाव भीतर ही भीतर विस्फोटक रूप ले सकता है।

पारिवारिक जीवन भी पुलिस सेवा की सबसे बड़ी कीमत चुकाता है। पुलिसकर्मी अपने बच्चों के साथ समय नहीं बिता पाते, माता-पिता की बीमारी में उपस्थित नहीं हो पाते और कई बार पारिवारिक समारोहों तक में शामिल नहीं हो पाते। लगातार अनुपस्थिति से परिवारों में भावनात्मक दूरी बढ़ने लगती है। कई पुलिसकर्मी अपने व्यक्तिगत तनाव को परिवार से छिपाते हैं ताकि घर वाले चिंतित न हों, जबकि परिवार अपनी समस्याएँ उनसे इसलिए नहीं कह पाता कि वे पहले ही बहुत तनाव में हैं। यह मौन धीरे-धीरे मानसिक अकेलेपन में बदल जाता है। समाज भी इस समस्या को पूरी गंभीरता से नहीं समझता। जब पुलिस कोई गलती करती है तो आलोचना स्वाभाविक है। जवाबदेही लोकतंत्र का आवश्यक तत्व है। लेकिन हर पुलिसकर्मी को केवल कठोर, असंवेदनशील या भ्रष्ट मान लेना न्यायसंगत नहीं है। हजारों पुलिसकर्मी सीमित संसाधनों और अत्यधिक दबाव के बीच ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियाँ निभाते हैं। वे भी सम्मान और संवेदनशील व्यवहार के अधिकारी हैं। चिंताजनक बात यह है कि पुलिस बल में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलापन आज भी पर्याप्त नहीं है। यदि कोई कर्मचारी मनोवैज्ञानिक सहायता लेना चाहता है तो कई बार उसे कमजोरी समझ लिया जाता है। परिणामस्वरूप अनेक लोग अपने भीतर की पीड़ा को वर्षों तक दबाए रखते हैं। वे मुस्कुराते हुए ड्यूटी करते हैं लेकिन भीतर से टूटते रहते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर चुप्पी किसी भी संस्था के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होती है। अब समय केवल संवेदना व्यक्त करने का नहीं बल्कि ठोस सुधारों का है। सबसे पहले पुलिसकर्मियों के कार्य घंटे यथासंभव मानवीय बनाए जाने चाहिए। पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति कर कार्यभार का न्यायसंगत वितरण किया जाए। लगातार ड्यूटी के बाद अनिवार्य विश्राम सुनिश्चित हो। साप्ताहिक अवकाश और पारिवारिक समय केवल कागजों तक सीमित न रहें।प्रत्येक जिले में पेशेवर मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। गोपनीय काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम, हेल्पलाइन और नियमित मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण पुलिस व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बनाए जाने चाहिए। जैसे शारीरिक फिटनेस आवश्यक है, वैसे ही मानसिक फिटनेस भी पुलिस सेवा की अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। पुलिस नेतृत्व को भी अपनी कार्यशैली में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना होगा। अच्छे नेतृत्व का अर्थ केवल आदेश देना नहीं बल्कि अपने अधीनस्थों की परिस्थितियों को समझना भी है।

अब ऐसे होगा अमरनाथ यात्रा का रजिस्ट्रेशन!

वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए मौके पर पंजीकरण कराने वाले श्रद्धालुओं को टोकन का वितरण मंगलवार से शुरू होगा, जबकि पंजीकरण की प्रक्रिया अगले दिन से आरंभ होगी। करीब 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की 57 दिवसीय वार्षिक यात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। यात्रा अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे, लेकिन अधिक दुर्गम बालटाल मार्ग से संचालित होगी।

टोकन वितरण के लिए 10 काउंटर स्थापित

श्रद्धालुओं का पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू स्थित भगवती नगर यात्री निवास से रवाना होगा। तवी नदी तट पर टोकन वितरण के लिए 10 काउंटर स्थापित किए गए हैं। मंगलवार सुबह छह बजे से पारदर्शी तरीके से टोकन वितरित किए जाएंगे। टोकनधारकों का पंजीकरण और आरएफआईडी जारी करने की प्रक्रिया अगले दिन से शुरू होगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पंजीकरण, आवास, स्वच्छता, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन सहित व्यापक इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तवी रिवरफ्रंट पर टोकन केंद्र के साथ ई-केवाईसी और आरएफआईडी पंजीकरण काउंटर भी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, पिछले वर्षों की तरह गीता भवन, राम मंदिर और भगवती नगर में भी पंजीकरण केंद्र संचालित होंगे। तवी रिवरफ्रंट पर लगभग 4,000 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की गई है। वहां 100 से अधिक शौचालय और स्नानघर, चौबीसों घंटे चलने वाले लंगर, बिस्तर, पंखे और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सुरक्षा व्यवस्था हो या श्रद्धालुओं की सुविधाएं, हर स्तर पर यह सुनिश्चित किया गया है कि जम्मू में उनका प्रवास आरामदायक रहे। जम्मू के उपायुक्त राकेश मिन्हास ने जम्मू के लोगों से डोगरा आतिथ्य की परंपरा को बनाए रखने की अपील करते हुए परिवहन संचालकों, व्यापारियों, दुकानदारों और होटल संचालकों से श्रद्धालुओं को अतिथि मानकर व्यवहार करने तथा उनसे अधिक शुल्क नहीं लेने का आग्रह किया। यह अधिक पैसे वसूलने का समय नहीं है। कोई श्रद्धालु रास्ता भटक जाए तो उसे सही स्थान तक पहुंचाने में मदद करें। एक गिलास पानी पिलाना भी जम्मू की उदारता का परिचायक है। प्रशासन चाहता है कि जम्मू केवल यात्रा के पड़ाव के रूप में नहीं, बल्कि एक पर्यटन और धार्मिक शहर के रूप में भी पहचान बनाए।

टिप्स

माइग्रेन के दर्द को दूर करती है अजवाइन की पोटली

आज के दौर में लोगों की जीवनशैली में बदलाव देखने को मिले हैं। इन बदलावों का असर महिला, पुरुष, बच्चे व बुजुर्गों में समान रूप से देखने को मिलता है। जानकार बताते हैं कि लंबे समय तक स्ट्रेस, नींद की कमी, तनाव और खानपान में होने वाले बदलाव माइग्रेन की समस्या को बढ़ा सकते हैं। माइग्रेन की समस्या में व्यक्ति को दिमाग के किसी खास हिस्से पर दर्द महसूस होता है और यह दर्द कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों तक बना रह सकता है। इसमें व्यक्ति को चक्कर आते हैं, साथ ही रोशनी और तेज आवाज से परेशानी होने लगती है। हालांकि, इसका इलाज दवाओं से किया जा सकता है। लेकिन, कुछ घरेलू उपायों से आप इसके लक्षणों की तीव्रता को कम कर सकते हैं। इन उपायों में आपके घरों में मौजूद अजवाइन को भी शामिल किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि अजवाइन में मौजूद कुछ तत्व दर्द को कम करने में सहायक होते हैं। जिससे माइग्रेन के सिरदर्द में राहत मिल सकती है।

माइग्रेन की समस्या क्यों होती है?

ठउइकके अनुसार माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल समस्या है जिसमें सिर के एक हिस्से में बार-बार तेज दर्द होता है। कई बार यह दर्द 4 से 72 घंटे तक रह सकता है। इसके साथ व्यक्ति को जी-मिचलाना, उल्टी, आंखों के सामने धुंधलापन और चिड़चिड़ापन भी महसूस होने लगता है। माइग्रेन का सिरदर्द लगातार स्ट्रेस, हार्मोनल बदलाव और कुछ खास तरह के आहार की वजह से हो सकता है। इस समस्या में व्यक्ति की दिनचर्या प्रभावित होती है और वह किसी भी काम को ठीक तरह से नहीं कर पाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलें भविष्य की कृषि सुरक्षा का मजबूत आधार बनेंगी : शिल्पी नेहा

संवाददाता

साहिबगंजःजलवायु परिवर्तन एवं संभावित एल नीनो के प्रभावों से कृषि को सुरक्षित बनाने व किसानों को वैज्ञानिक खेती की नवीनतम तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र केवीके साहिबगंज द्वारा जिला स्तरीय कृषि तकनीकों के माध्यम से कृषि पर एल नीनो के प्रभाव के प्रबंधन हेतु जागरूकता अभियान सह झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना अंतर्गत किसान पंजीकरण शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के लगभग 40 कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वैज्ञानिकों एवं कृषि विशेषज्ञों से आधुनिक खेती की उपयोगी जानकारी प्राप्त की।कार्यक्रम के दौरान झारखंड सरकार की कृषि,

पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की ने ऑनलाइन माध्यम से किसानों को संबोधित करते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच खेतों की मेड़बंदी, जल संरक्षण मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलें भविष्य की कृषि सुरक्षा का मजबूत आधार बनेंगी। साथ ही उन्होंने किसानों से झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना के अंतर्गत अधिकाधिक पंजीकरण कराने की अपील की।ऑनलाइन संबोधन में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. एस. सी. दुबे ने किसानों को ऊपरी भूमि में दलहन, मक्का एवं सब्जियों की खेती तथा निचली भूमि में 15 जुलाई तक धान की रोपाई सुनिश्चित करने की सलाह दी, ताकि मौसम की अनिश्चितताओं के बावजूद बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके।वहीं, प्रसार शिक्षा निदेशालय, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. डी. के. शाही ने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए मिट्टी की नियमित जांच को अत्यंत आवश्यक बताते हुए किसानों से मृदा स्वास्थ्य के अनुरूप फसल एवं उर्वरक प्रबंधन अपनाने का आग्रह किया। जबकि संबोधित करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुप्रिया सिंह ने कहा कि फसल विविधीकरण ही जलवायु परिवर्तन एवं एल नीनो जैसी परिस्थितियों से निपटने का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने किसानों को जोखिम कम करने के लिए विविध फसलों के समावेश पर विशेष बल दिया। इस संदर्भ में जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन ने सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों की उन्नत खेती तथा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए किसानों को कम पानी में अधिक आय देने वाली उद्यानिकी फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। जिला मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण भोक्ता ने मोटे अनाजों की खेती उनके पोषण एवं आर्थिक महत्व तथा जिले में संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना के अंतर्गत किसानों का पंजीकरण भी कराया। जिसमें किसानों को वैज्ञानिक खेती जल संरक्षण फसल विविधीकरण जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों तथा मिलेट मिशन से जुड़ी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें बदलते मौसम के अनुरूप वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।यह आयोजन किसानों को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के प्रति जागरूक करने, कृषि को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने तथा ₹कम पानी अधिक उत्पादन की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा मिलेट मिशन से जुड़कर कृषि को अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया।

उपलब्ध प्रोत्साहन राशि और लाभों की दी विस्तृत जानकारी

संवाददाता

साहिबगंजःझारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना के अंतर्गत प्रखंड बोरियो की तेलों पंचायत में मिलेट उत्पादक किसानों के पंजीकरण हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में किसानों का पंजीकरण करते हुए उन्हें योजना के तहत उपलब्ध प्रोत्साहन राशि एवं अन्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम में किसानों को मोटे अनाज मिलेट के पोषण व स्वास्थ्य संबंधी लाभ कम लागत में अधिक उत्पादन, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल खेती आय वृद्धि में इसकी उपयोगिता के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही उन्नत उत्पादन तकनीकों पात्रता आवेदन प्रक्रिया प्रज्ञा केंद्र के माध्यम से पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने बताया कि झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना के अंतर्गत किसानों को 3 हजार रूपए प्रति एकड़ की

दर से अधिकतम 5 एकड़ तक, कुल15 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक मिलेट की खेती अपनाने व सरकारी पोर्टल पर पंजीकरण कराने का आह्वान किया। शिविर के दौरान किसानों को पीएम-केयुएसयुएम पीएम-केआईएस एएन,बीज विनिमय व वितरण योजना किसान क्रेडिट कार्ड झारखंड कृषि ऋण माफी योजना आत्मा योजना किसान समृद्धि योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन, मृदा परीक्षण और बीज परीक्षण सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं की भी जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त वैज्ञानिक खेती, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई।जिसमें किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न योजनाओं व उन्नत कृषि पद्धतियों से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।शिविर में प्रखंड प्रमुख शांति बास्की, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का उप परियोजना निदेशक मंटू कुमार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अनुपम हांसदा सहायक तकनीकी प्रबंधक अंजू कुमारी एवं तान्या सिंह जेएसएल पीएस के कर्मी कृषक मित्र तथा किसान उपस्थित रहे।

ट्रेन में मोबाइल स्नैचर गिरफ्तार, दो चोरी के मोबाइल बरामद

संवाददाता

साहिबगंजःमालदा रेलवे डिवीजन अंतर्गत चलती ट्रेन में एक विशेष अभियान चलाया गयाजिसमेंआरपीएफ सीआईबी मालदा की सतर्कता प्रभावी कार्रवाई में ट्रेन संख्या 13404 वनांचल एक्सप्रेस में सक्रिय एक मोबाइल स्नैचर को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इस संदर्भ में उसके पास से लगभग 30 हजार के दो चोरी स्नैच किए गए मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बजरंगी कुमार मंडल 19 वर्ष निवासी मिजार्पुर, शंकरपुर खवास थाना घोघा जिला भागलपुर बिहार के रूप में हुई है। 6 जुलाई को आरपीएफ,सीआईबी मालदा की टीम द्वारा ट्रेन में संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी के दौरान आरोपी को कोच संख्या ए-दो में संदिग्ध अवस्था में पाया गया। पूछताछ के दौरान वह अपने यात्रा संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। कहलगांव स्टेशन पर उतारकर विधिवत तलाशी लेने पर उसके

पास से दो चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए।पूछ ताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि दोनों मोबाइल फोन उसने यात्रियों से चोरी किए थे। साथ ही उसने यह भी कबूल किया कि बीते माह 29 जुन को ट्रेन संख्या 13235 साहिबगंज-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में घोघा स्टेशन से खुलने के तुरंत बाद एक यात्री का मोबाइल चोरी कर चलती ट्रेन से फरार हो गया था। आरोपी की पहचान उक्त घटना से संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऐक्स पर प्रसारित वीडियो से भी हुई।जिसमें उसका हुलिया व गतिविधियां मेल खाती पाई गईं।बरामद मोबाइल फोन विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु आरपीएफ पोस्ट कहलगांव को सुपुर्द किया गया। इस संबंध में जीआरपीएस भागलपुर द्वारा 7 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) व 317(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

साहिबगंज महाविद्यालय के कर्मचारी के निधन पर शोकसभा आयोजित

संवाददाता

साहिबगंजःसाहिबगंजमहाविद्यालय के कर्मी दिनेश कुमार उर्फ दिना के निधन पर साहिबगंज महाविद्यालय के विज्ञान भवन में शोकसभा आयोजित की गई।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एस आर आई रिजवी ने बताया कि महाविद्यालय में 2001 में नियुक्त दिनेश कुमार काफी सरल,मृदुभाषी एवं कर्तव्यनिष्ठ थे.बीते शुक्रवार को उनका निधन हो गया.महाविद्यालय परिवार इस दुख की घड़ी में शोक संतृप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना रखती है।शोक सभा में साहिबगंज महाविद्यालय में मैथिली विभाग के विभागअध्यक्ष डॉ ध्रुव ज्योति कुमार सिंह,रसायन शास्त्र विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार, अर्थशास्त्र विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ संजीव कुमार सिंह सहित कई प्राध्यापक एवं शिक्षाकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

कोडरमा के पीएचसी की बदहाल व्यवस्था पर ग्रामीणों में आक्रोश

- बिजली गुल, इनवर्टर बंद और अस्पताल में ताला
- प्रसूता को दूसरे केंद्र ले जाकर कराया सुरक्षित प्रसव

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे करते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति कुछ और ही बयां करती है. झारखंड के कोडरमा जिले के पथलडीहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की स्वास्थ्य व्यवस्था पर मंगलवार रात गंभीर सवाल खड़े हो गए। बिजली नहीं रहने के कारण एक गर्भवती महिला का प्रसव मोमबत्ती की रोशनी में कराने

की तैयारी किए जाने का आरोप लगा, जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और पीएचसी में ताला जड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार, गरईंडीह निवासी नीलम कुमारी को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन पीएचसी लेकर पहुंचे। आरोप है कि बिजली गुल होने के बावजूद ड्यूटी पर मौजूद एएनएम मोमबत्ती की रोशनी में प्रसव कराने की तैयारी कर रही थीं। सूचना मिलने पर मुखिया प्रतिनिधि सदानंद यादव मौके पर पहुंचे और प्रसूता को आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचाया गया, जहां उसने सुरक्षित बच्चे को जन्म दिया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इनवर्टर वाले कमरे की चाबी दूसरी एएनएम के पास होने के कारण बिजली की व्यवस्था नहीं हो सकी। वहीं एएनएम जनता देवी ने बारिश के दौरान सुरक्षा कारणों से मुख्य बिजली आपूर्ति बंद किए जाने की बात कही। इधर, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने पूरे मामले की जांच कराने और लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है। घटना ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रिजली स्कूल के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

65 पदकों के साथ जिला जूडो चैंपियनशिप में लहराया परचम

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के खिलाड़ियों ने 13वीं कोडरमा जिला जूडो चैंपियनशिप. 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले में अपनी श्रेष्ठता का परचम लहरा दिया। बागीटांड़ स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 65 पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही ग्रिजली विद्यालय ने अंडर. 17 वर्ग में ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया तथा अंडर. 17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग में भी चैंपियन ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। बालक वर्ग में विद्यालय के 45 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लेते हुए 14 स्वर्ण, 6 रजत एवं 8 कांस्य सहित कुल 28 पदक जीते। स्वर्ण पदक विजेताओं में सचिन यादव, बंटी यादव, हर्षित राज, अभिषेक यादव, अरबाज हुसैन, आदर्श सिंह, चैतन्य सिंह, अस्मित राज, रणवीर कुमार, ऋषांत कुमार, अजीत यादव एवं आदित्य यादव शामिल हैं। रजत पदक मोहम्मद

अब्दुस्समद, शिवम कुमार, अमन शेखर, सतीश नारायण, शशि यादव एवं प्रियंशु कुमार ने जीते। वहीं कांस्य पदक रोनित यादव, अंकित राणा, प्रियंशु कुमार, शशि यादव, मोहिन कुमार एवं आरव कुमार ने अपने नाम किए। बालिका वर्ग में विद्यालय की 37 खिलाड़ियों ने भाग लेते हुए 9 स्वर्ण, 8 रजत एवं 20 कांस्य सहित कुल 37 पदक अर्जित किए। स्वर्ण पदक विजेताओं में राज लक्ष्मी, यामी रंजन, नैना सुहानी, गरिमा भारती, सिमरन पांडेय, अक्षिता यादव, खुशी कुमारी, आरुषि कुमारी एवं आद्या यादव शामिल हैं। रजत पदक शिक्षा कुमारी, आराध्या सिंह, काश्वी टोप्पो, नंदनी कुमारी, अर्पिता कुमारी, अनुष्का कुमारी, परी एवं जीविका यादव ने जीते। कांस्य पदक विजेताओं में श्रुति कुमारी, सुर्वी कुमारी, रुही रंजन, आरुषि कुमारी, अन्वी यादव, समृद्धि वत्स, भाग्य भारती, अन्वी चौधरी, शाव्या बर्नवाल, समृद्धि कुमारी, दीपशिखा बर्नवाल, अनोखी वर्मा, सिंधु कुमारी, वार्तिका कुमारी, एसिता गगराई, तृषा कुमारी, आरुषि कुमारी, प्रिंसी रानी, वृद्धि कपिसमे एवं मोली गुप्ता शामिल हैं। प्रतियोगिता में ग्रिजली विद्यालय के खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत श्रेणी में भी शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-14 बालिका वर्ग में सिमरन पांडेय को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बेस्ट फाइटर अवार्ड से सम्मानित किया गया, जबकि अंडर-17 बालक वर्ग में सचिन यादव ने अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर बेस्ट फाइटर अवार्ड प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासित अभ्यास और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ग्रिजली विद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। विद्यालय की प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा कि खिलाड़ियों की यह सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चयनित खिलाड़ी आगामी राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, जिले एवं राज्य का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक द्वय मनीष कपिसमे एवं अविनाश सेठ, सीओओ तनिष्क सेठ, जिला जूडो संघ के सचिव प्रिंस मिश्रा, प्रशासक अशरफ खान, संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, बनानी नियोगी, स्टूडेंट्स सर्विस सेल संयोजक सुधांशु कुमार, सीसीए संयोजक प्रीति जगनानी, स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर प्रीतम हरि तथा समस्त शिक्षकगण ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों सौरव कुमार पाठक एवं तरन्नुम खान तथा अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि खिलाड़ी भविष्य में भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ग्रिजली विद्यालय, कोडरमा जिले एवं झारखंड का नाम गौरवान्वित करेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

कोडरमा में हाथियों का तांडव: गांव में घुसकर फसल रौंदी, किसानों को भारी नुकसान

कोडरमा/मेट्रो रेज संवाददाता : जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक एक बार फिर ग्रामीणों के लिए बड़ी चिंता का कारण बन गया है। बीती रात दो हाथियों का झुंड मधुवन गांव में घुस आया और जमकर उत्पात मचाते हुए किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। हाथियों ने खेतों में लगी फसलों को रौंद डाला और एक घर की बाउंड्री वॉल भी तोड़ दी। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, देर रात जंगल से निकलकर आए हाथियों ने सबसे पहले भुवनेश्वर यादव के घर की बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त कर दी। इसके बाद उनके खेत में लगी गन्ने की फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। वहीं, हाथी शोभा मेहता के खेत में भी पहुंच गए, जहां करीब छह डिसमिल में लगी मक्के की फसल को रौंदकर नष्ट कर दिया। अचानक हाथियों के गांव में घुसने से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोग भय के कारण अपने-अपने घरों में दुबक गए। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हाथी फसलों को नुकसान पहुंचाकर सिमरिया जंगल की ओर लौट चुके थे। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से इलाके में हाथियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, जिससे जान-माल का खतरा बना हुआ है। किसानों ने बताया कि फसल नष्ट होने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग और जिला प्रशासन से हाथियों को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर खदेड़ने, प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा देने तथा प्रभावित गांवों में निगरानी बढ़ाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाथी अभी भी सिमरिया जंगल के आसपास मौजूद हैं और किसी भी समय दोबारा गांव में प्रवेश कर सकते हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों से रात के समय सतर्क रहने, अकेले बाहर नहीं निकलने तथा हाथी दिखाई देने पर तत्काल विभाग को सूचना देने की अपील की है।

चार साल बीत जाने के बाद भी ओभर ब्रिज निर्माण का कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ : सिंह

साहिबगंज :जिला विकास समिति साहिबगंज द्वारा वर्ष 2017 से लगातार पुरानी प्रसव केंद्र के साथ पूर्वी पछिमी फाटक रेल ओभर ब्रिज की मांग को लेकर आंदोलन करते रहे। इस संबंध में जिला विकास समिति के अभिक्र'भ सिंह ने बताया की जिसके लिए जिला प्रशासन राज्य सरकार जीएम रेल प्रशासन कलकत्ता और झारखंड राज्य के राज्यपाल महोदय से मिलकर माग पत्र सौंपा गया था। जिसकी प्राप्ति पत्र अभी भी है प्रसव केंद्र पुनः प्राप्ति हुई। ओभर ब्रिज की स्वीकृति क्रमांक 2772- 5 जुलाई 2022 में जिसकी कुल राशि 38,74,78,944, की जानकारी अनुसार,स्वीकृत होने के बावजूद जिसमे 23,41,68 ,682,की अग्रिम राशि रेल मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराने की मंजूरी भी मिली चार साल बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ। अब तक अधर में रहने के कारण जिससे आवागमन से जानता परेशान है विकास भी ठप है।

नशाखोरी के खिलाफ चला अभियान ब्राउन शुगर सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस ने नशामुक्त अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। कटकमसांडी थाना क्षेत्र में पुलिस ने छापेमारी कर ब्राउन शुगर के साथ तीन शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद ब्राउन शुगर की मात्रा 25 ग्राम बताई गई है। इस कार्रवाई की जानकारी एसपी अमन कुमार ने दी।

पुलिस की कार्रवाई : एसपी ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कटकमसांडी थाना क्षेत्र के डांढ़ गांव में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक अभियान के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और मो. रिजवान तथा मो. रफीक को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से 12 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

पकड़े गए आरोपियों से कड़ी पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि यह नशीला पदार्थ उन्होंने डांढ़ निवासी छोटन साव से खरीदा था। इसके बाद पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए छोटन साव के ठिकाने पर छापेमारी की और उसे भी धर दबोचा। उसके पास से 13 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई।

आरोपियों का आपराधिक इतिहास : पुलिस के अनुसार तीनों आरोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। गिरफ्तार मो. रिजवान सुभाष मार्ग, बड़ा बाजार निवासी पर पूर्व में हत्या सहित कई संगीन मामलों में संलिप्त रहा है। वही मो. रफीक सरदार रोड, बड़ा बाजार निवासी नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में सक्रिय भूमिका रही है। जबकि छोटन साव डांड़, कटकमसांडी निवासी पर पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ कटकमसांडी थाना कांड संख्या 109/26 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एसपी अमन कुमार ने बताया कि नशामुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए हजारीबाग पुलिस संकल्पित है। जिले में 15 जून से जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत स्कूलों, कॉलेजों और भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर एलईडी वैन के माध्यम से युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने युवाओं और नागरिकों से अपील की है कि वे समाज को नशामुक्त बनाने में पुलिस का सहयोग करें।

डीलरों के समस्याओं पर हुआ विचार विमर्श

साहिबगंज :फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन साहिबगंज की एक बैठक रेलवे इंस्टिट्यूट के प्रांगण में प्रदेश सचिव सह अध्यक्ष जयप्रकाश सिहां के नेतृत्व में किया गया।जिसमें डीलरों के विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श की गई। डीलरों के सभी बकाया कमीशन के बारे में विस्तार से चर्चा की गई,साथ ही जिला अध्यक्ष का चुनाव संपन्न कराने के लिए भी चर्चा की गई।जिसके लिए एक संयोजक मंडल चुनाव तैयारी समिति बनाया गया है।बैठक में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष महेंद्र पासवान कोषाध्यक्ष भगवान जोशी सचिव अशोक शाह कैलाश यादव बासुकीनाथ यादव पप्पू दास बास्की यादव मदन पासवान जनार्दन दास गोपाल शाह मोहम्मद मेराज कैलाश यादव भोला शर्मा,संजय पोद्दार,गौतम यादव,नागेश्वर पोद्दार अभिलाष पोपली, शंभू यादव,महेश मलिक,बबलू अंसारी, मनोज चौधरी,यदु कुमार समेत कई डीलर उपस्थिति थे।

हजारीबाग में बारिश ने ढाया कहर, कई इलाकों में बिजली व्यवस्था चरमराई

हजारीबाग : पिछले कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने हजारीबाग शहर की बिजली व्यवस्था की कमर तोड़ दी है। तेज हवा और बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए हैं, जिससे शहर भर में बिजली सेवा पूरी तरह बाधित हो गई है। बिजली विभाग को इस आपदा से अब तक 5 से 10 लाख रुपये से अधिक की क्षति का अनुमान है। कारण शहर के कई प्रमुख इलाकों में बिजली के तार सड़कों पर आ गए हैं, जिससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। बिजली विभाग के अनुसार सिविल सर्जन कार्यालय, रामनगर रोड, पीटीसी चौक के पास सहित शहर के कई पॉश इलाकों में खंभे गिरने से आपूर्ति ठप है। इसके अलावा, गुरु गोविंद सिंह रोड स्थित ट्रांसफार्मर में भी तकनीकी खराबी आ गई है, जिसे बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है?

पानी की सप्लाई और संचार में बाधा : पानी की सप्लाई बाधित होने से लोगों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। वहीं, सबसे जरूरी संचार माध्यम यानी मोबाइल फोन चार्ज न होने से लोग अपनों से संपर्क करने और सूचनाएं प्राप्त करने में भी असमर्थ हो गए हैं। लोग इस चिलचिलाती गर्मी और उमस में बिजली आने का इंतजार करते रहे।

मरम्मत कार्य की स्थिति : शहरी क्षेत्र के सहायक अभियंता रुद्र प्रताप सिंह ने बताया कि विभाग की टीमें नुकसान का आकलन कर रही हैं और युद्ध स्तर पर मरम्मत कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा पेड़ गिरने और तार टूट जाने के कारण कई जगह फाल्ट हुए हैं। गोविंद सिंह रोड मे नया ट्रांसफार्मर लगाने की प्रक्रिया जारी है।

घर पर ही होंगी रस्में

61 साल के आमिर खान 5 जुलाई को गौरी स्प्रैट से करेंगे शादी

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने गुरुवार को 5 जुलाई को अपनी तीसरी शादी को लेकर मीडिया से बात की। जब मीडिया ने उनसे उनकी शादी के बारे में पूछा तो 61 वर्षीय आमिर ने बताया कि यह बहुत छोटी सी शादी है, जो घर पर ही होगी। जानकारी के अनुसार, शादी का कार्यक्रम अत्यंत सीमित दायरे में रखा गया है और केवल करीबी लोग ही इस खुशी के मौके पर शामिल होंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो आमिर खान ये शादी बहुत सिंपल तरीके से करने वाले हैं। आमिर खान, गौरी स्प्रैट ने शादी करने वाले हैं। आमिर के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। लोग उन्हें नई शुरुआत के लिए बधाई दे रहे हैं। वहीं, कुछ लोग शादी के बारे में और जानने के लिए उत्सुक हैं।

आमिर खान और उनकी दूसरी पत्नी किरण राव से अलग हो चुके हैं। दोनों ने 2021 में अलग होने का ऐलान किया था। किरण का एक बेटा आजाद राव खान है। इससे पहले आमिर की शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद और इरा हैं। गौरी स्प्रैट और आमिर खान दो दशकों से एक-दूसरे को जानते हैं। सालों तक दोनों दोस्त रहे। मार्च 2025 में अपने 60वें बर्थडे सेलिब्रेशन में आमिर खान ने गौरी संग रिलेशनशिप कंफर्म किया था।

लॉस एंजिल्स में भाषा से जुड़ी चुनौतियों पर बोलीं सना सईद

सुना जाना सबसे जरूरी होता है

सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, 'साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या 'कोक' तक ऑफर करने लगा। ' उन्होंने आगे कहा, ''उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।''

सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।''

शाहिद ने इस शहर में शूटिंग से किया इनकार!

हाल ही में 'कॉकटेल 2' के लाइन प्रोड्यूसर ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान शाहिद कपूर ने प्रदूषण के चलते शूट करने से इनकार कर दिया था। शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'कॉकटेल 2' हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म को क्रिटिक्स से मिले-जुले रिव्यू मिले हैं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन ठीक-ठाक रहा है।

खराब हवा के कारण शूटिंग से किया इनकार

फिल्म की शूटिंग जहां इटली जैसी खूबसूरत लोकेशन पर हुई, वहीं दिल्ली-एनसीआर में शूटिंग का अनुभव काफी अलग और मुश्किल भरा रहा। एक शेड्यूल के दौरान टीम को खतरनाक स्तर के प्रदूषण में काम करना पड़ा, जहां एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 के पार पहुंच गया था। लाइन प्रोड्यूसर सुमित त्यागी ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में इस अनुभव को याद किया। उन्होंने बताया कि खराब हवा के कारण शाहिद कपूर ने एक समय पर बाहर निकलकर शूट करने से मना कर दिया था। सुमित ने शाहिद को 'मनमौजी' भी बताया।

मुंबई की लोकल ट्रेन में गुजरे मेरे संघर्ष के दिन : रिद्धि डोगरा

रिद्धि डोगरा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था। रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादाः लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं।

प्राइम वॉलीबॉल लीग को मिली एफआईवीबी की मान्यता, 30 नवंबर से शुरू होगा सीजन-5

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत की प्रमुख प्रोफेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) को अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) ने भारत की प्रथम श्रेणी की प्रोफेशनल वॉलीबॉल लीग के रूप में आधिकारिक मान्यता प्रदान कर दी है। इसी के साथ लीग के पांचवें सीजन की शुरूआत 30 नवंबर 2026 से होगी, जबकि खिलाड़ियों की नीलामी 17 अगस्त 2026 को गोवा में आयोजित की जाएगी। एफआईवीबी की इस मान्यता के बाद प्राइम वॉलीबॉल लीग में भाग लेने वाले क्लब अब निर्धारित नियमों और क्वालिफिकेशन के आधार पर सेंट्रल एशियन वॉलीबॉल एसोसिएशन, एशियन वॉलीबॉल कॉन्फेडरेशन और एफआईवीबी क्लब प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के पात्र होंगे। इससे भारतीय क्लबों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा अवसर मिलेगा। बेसलाइन वेंचर्स के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक तथा प्राइम वॉलीबॉल लीग के निदेशक तुहिन मिश्रा ने कहा, सीजन-5 हमारे लिए एक ऐतिहासिक पड़ाव है। एफआईवीबी की मान्यता पिछले चार वर्षों में लीग को मजबूत, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक स्तर का मंच बनाने के प्रयासों की बड़ी पहचान है। हमारा लक्ष्य भारतीय खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर सफलता के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। प्राइम वॉलीबॉल लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉय भट्टाचार्य ने कहा, ₹शुरूआत से हमारा उद्देश्य केवल एक लीग आयोजित करना नहीं, बल्कि भारतीय वॉलीबॉल के भविष्य को मजबूत बनाना रहा है। एफआईवीबी की यह मान्यता साबित करती है कि पीवीएल भारतीय वॉलीबॉल के विकास का प्रमुख मंच बन चुका है। यह भी उत्साहजनक है कि भारतीय पुरुष टीम की एफआईवीबी रैंकिंग विश्व में 60वें स्थान से बढ़कर 42वें स्थान तक पहुंची है। लीग के आयोजकों के अनुसार, सीजन-5 में देश और विदेश के कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिससे भारतीय वॉलीबॉल को नई पहचान मिलने के साथ-साथ प्रतियोगिता का स्तर भी पहले से अधिक ऊंचा होगा।

सौरव गांगुली की बायोपिक 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' का फर्स्ट लुक जारी, 14 मई 2027 को होगी रिलीज

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के जन्मदिन (8 जुलाई) के मौके पर उनकी बहुप्रतीक्षित बायोपिक 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' का पहला पोस्टर बुधवार को जारी कर दिया गया। इसके साथ ही निमार्ताओं ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया। यह फिल्म 14 मई 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में राजकुमार राव सौरव गांगुली के ऐतिहासिक लॉर्ड्स बालकनी में जर्सी लहराने वाले प्रतिष्ठित अंदाज को दोहराते नजर आ रहे हैं। यह दृश्य 2002 के नैटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल में इंग्लैंड पर भारत की यादगार जीत के बाद का है, जिसे भारतीय क्रिकेट के नए और निडर दौर की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। गांगुली बोले- जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा सौरव गांगुली ने फर्स्ट लुक जारी होने पर कहा,₹जन्मदिन हमेशा खास होता है और आज मेरी बायोपिक 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' का फर्स्ट लुक सामने आना इसे और भी यादगार बना देता है। यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन जन्मदिन का उपहार है। पोस्टर ने मेरे क्रिकेट करियर की सबसे यादगार यादों को फिर से जीवंत कर दिया। राजकुमार राव ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाया है। मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि दर्शक 14 मई 2027 को सिनेमाघरों में इस फिल्म का भरपूर आनंद लेंगे। गांगुली के संघर्ष और नेतृत्व की कहानी दिखाएगी फिल्म फिल्म में सौरव गांगुली के युवा क्रिकेटर से भारतीय टीम के सबसे प्रभावशाली कप्तानों में से एक बनने तक के सफर को दिखाया जाएगा। इसमें उनके संघर्ष, दृढ़ संकल्प, नेतृत्व क्षमता और भारतीय क्रिकेट की सोच बदलने वाले फैसलों को बड़े पर्दे पर पेश किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवाने ने किया है। इसका निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है। फिल्म को टी-सीरीज और डीबीएल प्रस्तुत कर रहे हैं। 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' 14 मई 2027 को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

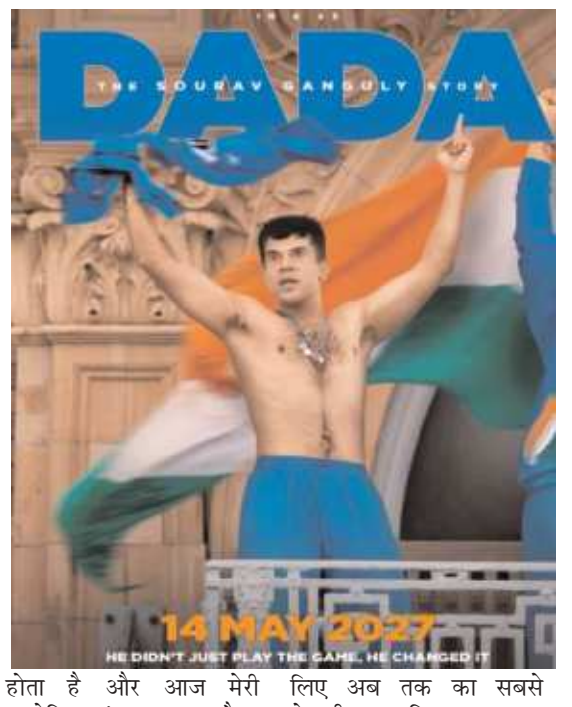

हमने हार नहीं मानी, यही अर्जेंटीना की पहचान है : कोच लियोनेल स्कालोनी

एजेंसी

अटलांटा : मिस्र के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के रोमांचक प्री-क्वार्टर फाइनल में 3-2 की शानदार वापसी जीत के बाद अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने अपनी टीम के जज्बे की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की जीत नहीं, बल्कि अर्जेंटीना की लड़ने वाली मानसिकता का सबसे बड़ा उदाहरण है। स्कालोनी ने मैच के बाद कहा, ₹हमने अपने समर्थकों को काफी परेशान किया, जबकि हमने कोई खराब मैच नहीं खेला। मैं ऐसे ही पलों के लिए कोच हूं। आज जो हमने देखा, उसका महत्व सिर्फ अगले दौर में पहुंचने से कहीं बड़ा है। अगर हमने आखिरी तक लड़ाई नहीं लड़ी होती, तो हम बाहर हो चुके होते। उन्होंने कहा कि स्कोरलाइन से ऐसा लग सकता है कि टीम ने खराब प्रदर्शन किया, लेकिन वास्तविकता इससे अलग थी।

उन्होंने कहा, ₹मिस्र एक बेहतरीन टीम है और उसने अपने मौके भुनाए। लेकिन हमने भी तीन-चार बेहद अच्छे मौके बनाए थे। अगर उनमें से एक-दो गोल हो जाते तो आज कोई इस तरह की चर्चा नहीं करता। हमें अंत तक संघर्ष करना पड़ा। जब अर्जेंटीना दो गोल से पीछे थी, तब भी स्कालोनी को भरोसा था कि उनकी टीम मैच में वापसी करेगी। उन्होंने कहा, ₹जब टीम मैच पर नियंत्रण खो देती है तब चिंता होती है, लेकिन आज ऐसा नहीं था। मुझे लगातार लग रहा था कि मुकाबला हमारे पक्ष में जाएगा क्योंकि हम लगातार मौके बना रहे थे। हमारी परेशानी कमजोरी नहीं, बल्कि मौकों का फायदा नहीं उठा पाना था। मैच में कप्तान लियोनेल मेसी ने एक पेनाल्टी मिस की थी, लेकिन बाद में टीम की वापसी में अहम भूमिका निभाई। स्कालोनी ने मेसी की सराहना करते हुए कहा, ₹मेसी हर खिलाड़ी के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने पेनाल्टी मिस की, लेकिन उसके बाद भी उन्होंने गेंद मांगना नहीं छोड़ा और लगातार टीम के लिए खेलते रहे। यही महान खिलाड़ियों की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि यह मुकाबला उन्हें कतर विश्व कप फाइनल की याद तो नहीं दिलाता, लेकिन भावनात्मक रूप से यह उसी तरह का अनुभव था। उन्होंने कहा, ₹मेसी फुटबॉल ऐसे ही पलों के लिए जीते हैं।

अर्जेंटीना की जीत पर भड़के मिस्र के कोच हुसाम हसन, फीफा पर पक्षपात का लगाया आरोप

अटलांटा : फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में अर्जेंटीना से 3-2 की हार के बाद मिस्र के मुख्य कोच हुसाम हसन ने रेफरिंग और फीफा पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी टीम के साथ अन्याय हुआ और मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को पक्षपातपूर्ण फैसलों का फायदा मिला। हुसाम हसन ने मैच के बाद कहा, ₹हम दुनिया की सबसे बड़ी टीमों में से एक के खिलाफ खेले और हर विभाग में उनसे बेहतर थे। लेकिन रेफरी पर एकतरफा दबाव बनाया गया, जिसकी वजह से नतीजा हमारे खिलाफ गया। उन्होंने बताया कि मैच से पहले ही मिस्र ने रेफरी फ्रांसुआ लेटेक्सिए की नियुक्ति पर आपत्ति जताई थी। हार के बाद उन्होंने दावा किया कि उनकी टीम को एक स्पष्ट पेनल्टी नहीं मिली और दूसरा गोल भी गलत तरीके से रद्द कर दिया गया। हसन ने कहा, ₹हम इस जीत के हकदार थे, लेकिन हमें न्याय नहीं मिला। मैदान पर न तो फेयर प्ले दिखा और न ही सम्मान। फीफा 'फेयर प्ले' का नारा देता है, लेकिन मैदान पर उसका कोई असर नहीं दिखा। अगर रेफरी की गलतियां नहीं होतीं तो नतीजा अलग हो सकता था।₹ मैच खत्म होने के बाद उन्होंने रेफरी से भी तीखी बहस की। हसन ने बताया, ₹मैंने रेफरी से कहा कि यह बिल्कुल अनुचित है। शायद उनके मन में कोई बात थी जिसे वे छिपाना चाहते थे। जो लोग कुछ छिपाने की कोशिश करते हैं, वे अक्सर सफल नहीं होते। अब मैं इस टूर्नामेंट का कोई और मैच नहीं देखूंगा। दोपहर के मैच पर भी जताई नाराजगी मिस्र के कोच ने फीफा के मैच शेड्यूल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ₹दोपहर 12 बजे मैच कराना फुटबॉल की समझ नहीं दर्शाता। खिलाड़ी कब खाना खाएंगे?

वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद श्रीलंका के खिलाफ जीती टेस्ट सीरीज, दूसरा मैच ड्रॉ

एजेंसी

एंटीगा : वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। एंटीगा में खेला गया दूसरा और अंतिम टेस्ट मुकाबला मंगलवार को ड्रॉ रहा, जिससे मेजबान टीम ने 23 वर्षों बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा किया। साथ ही फरवरी 2023 के बाद यह वेस्टइंडीज की पहली टेस्ट सीरीज जीत भी है। पहले टेस्ट में पारी और बड़े अंतर से जीत दर्ज करने के बाद वेस्टइंडीज सीरीज में 1-0 से आगे था। दूसरे मुकाबले में श्रीलंका ने अंतिम दिन तेजी से रन बनाकर जीत की कोशिश की।

कप्तान धनंजय डी सिल्वा, सोनल दिनुषा और मिलान रत्नायके ने तेज पारियां खेलीं, जिससे श्रीलंका ने दूसरी पारी 251/9 पर घोषित करते हुए वेस्टइंडीज के सामने 362 रन का लक्ष्य रखा। हालांकि अंतिम सत्र में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने बिना किसी नुकसान के 109 रन जोड़ दिए। दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतक पूरे किए और इसके बाद दोनों टीमों ने ड्रॉ पर सहमति जताई। इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 549/9 घोषित किए थे। लाहिरू उदारा ने 188 रन, सोनल दिनुषा ने 92 और कमिंदु मेंडिस ने 84 रन बनाए।

जवाब में वेस्टइंडीज ने जस्टिन ग्रीव्स के 180 और शाई होप के 112 रन की बदौलत 499 रन बनाए। श्रीलंका के लिए असिथा फर्नांडो ने पहली पारी में पांच विकेट झटके।

संक्षिप्त स्कोर

श्रीलंकाः 549/9 घोषित और 251/9 घोषित, लाहिरू उदारा 188, सोनल दिनुषा 92, कमिंदु मेंडिस 84 व 44, अल्जारी जोसेफ 2/44, जेडन सील्स 2/98।

वेस्टइंडीजः 499 और 109/0

जस्टिन ग्रीव्स 180, शाई होप 112, जॉन कैंपबेल नाबाद 51, ब्रैंडन किंग नाबाद 51, असिथा फर्नांडो 5/130।

शिक्षा समाज की आधारशिला, इसके बगैर कुछ भी हो पाना संभव नहीं : योगी आदित्यनाथ

- वाराणसी से मुख्यमंत्री ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों तथा शिक्षामित्रों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का शुभारंभ किया
- 1.10 करोड़ छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के बैंक खातों में सीधे डीबीटी से की धनराशि हस्तांतरित

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वाराणसी में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों, शिक्षामित्रों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का शुभारंभ किया। साथ ही डीबीटी के माध्यम से बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में पढ़ने वाले प्रदेश भर के लगभग 1.10 करोड़ छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के बैंक खातों में सीधे धनराशि हस्तांतरित की। अपने वाराणसी दौरे के दूसरे दिन बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय हस्तकला संकुल, बड़ा लालपुर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ व हरित विद्यालयों के 12 प्रधानाचार्यों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 10 लाख शिक्षकों और संविदा कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में कैशलेस इलाज के लिए साढ़े चार सौ करोड़ रुपये सालाना खर्च होंगे। इसका भुगतान प्रदेश सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा के बदले में सरकार आपसे कुछ नहीं चाहती, सिर्फ एक चीज मांगती है कि बच्चों कि पढ़ाई पर ध्यान दें। प्रदेश के स्कूल में स्वच्छता, पढ़ाई और बच्चों के विकास पर काम हो। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश का उल्लेख कर कहा कि वहां हर व्यक्ति हिंदी बोलता है। वहां के सांसद ने बताया कि जितने शिक्षक हमारे यहां हैं, सब उत्तर प्रदेश से हैं। मध्य प्रदेश में भी भारी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश से हैं। शिक्षा समाज कि आधारशिला है। इसके बगैर कुछ भी हो पाना संभव नहीं है। कार्यक्रम में मंत्री अनिल राजभर, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह तथा माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को डीबीटी से भेजेंगे 1200 रुपए

वाराणसी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिक्षकों व उनके परिजनों को कैशलेस चिकित्सा योजना की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री पंडित दीनदयाल हस्तकला संकुल, बड़ा लालपुर में आयोजित कार्यक्रम में कुछ ही देर में प्रदेश के लगभग 1.10 करोड़ बच्चों के अभिभावकों के बैंक खातों में यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर, स्टेशनरी आदि के लिए प्रति विद्यार्थी 1200 रुपये डीबीटी के माध्यम से धनराशि भेजेंगे। इस दौरान बेसिक शिक्षा विभाग (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री संदीप सिंह तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग (स्वतंत्र प्रभार) की मंत्री गुलाब देवी भी मौजूद रहेगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 10 लाख शिक्षकों व संविदा कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा के उद्देश्य से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इससे पात्र कार्मिकों को अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जाएगी। मुख्यमंत्री राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ व हरित विद्यालयों के 12 प्रधानाचार्यों को सम्मानित भी करेंगे। बताते चले 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' के लागू होते ही प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षकों और उनके परिवारों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। इस बड़ी योजना में नियमित शिक्षकों के साथ शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइया तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के पात्र कार्मिकों को भी शामिल किया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक हेमंत राव के अनुसार, मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा से वाराणसी मंडल के 7,417 बेसिक विद्यालयों में कार्यरत कुल 66,205 पात्र कर्मी सीधे लाभावित होंगे।——शिक्षा, जन-कल्याण और विकास के नए संकल्पों को नई गति मिलेगी

उधर,पंडित दीनदयाल उपाध्याय हस्तकला संकुल, बड़ा लालपुर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया के अधिकृत अकाउंट पर लिखा कि आज, बाबा श्री विश्वनाथ जी की पवित्र नगरी काशी और मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की तपोभूमि चित्रकूट से शिक्षा, जन-कल्याण और विकास के नए संकल्पों को नई गति मिलेगी। वाराणसी में, 12 लाख शिक्षकों/गैर-शिक्षण कर्मचारियों और उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुरक्षा देने वाली 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' की शुरूआत,डीबीटी के जरिए 1.10 करोड़ छात्रों के अभिभावकों के खातों में प्रति छात्र 1,200 रुपए का ट्रांसफर, 10 लाख शिक्षकों और संविदा कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर और राष्ट्रीय स्तर पर चुने गए स्वच्छ और हरित स्कूलों के प्रधानाचार्यों/हेडमास्टरों को सम्मानित करने का कार्यक्रम होगा।

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के आधार शिविर भगवती नगर से 9,837 तीर्थयात्री रवाना

एजेंसी

जम्मू : श्री अमरनाथ जी यात्रा के दौरान बुधवार को एक ही दिन में सबसे ज्यादा तीर्थयात्री रवाना हुए। रिकॉर्ड 9,837 तीर्थयात्री जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से पहलगाम और बालटाल के दो बेस कैंपों के लिए निकले। अधिकारियों ने बताया कि सातवां जत्था 361 गाड़ियों के काफिले में रवाना हुआ। 188 गाड़ियों में 5,337 तीर्थयात्री पारंपरिक पहलगाम रूट के लिए निकले जबकि 173 गाड़ियों में 4,500 श्रद्धालु छोटे बालटाल रूट के लिए रवाना हुए। इस जत्थे में 6,684 पुरुष, 2,730 महिलाएं, 21 बच्चे, 320 साधु, 80 साध्वियां और दो ट्रांसजेंडर श्रद्धालु शामिल थे। दिन की शुरूआत से ही भगवती नगर यात्री निवास पर तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी गई क्योंकि देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पवित्र गुफा मंदिर की सालाना यात्रा के लिए इकट्ठा हुए हैं। यह यात्रा कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के तहत की जा रही है जिसमें प्रशासन, पुलिस, सीएपीएफ, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य विभागों से बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिकल सहायता मिल रही है। 57 दिनों की यह सालाना यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई और 28 अगस्त को रक्षाबंधन के त्योहार के साथ सम्पन्न होगी।

मुख्यमंत्री साय आज डूमरतराई के नवीन थोक बाजार का करेंगे नामकरण एवं लोकार्पण

रायपुर : छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा रायपुर के डूमरतराई में विकसित अत्याधुनिक नवीन थोक बाजार का नामकरण एवं लोकार्पण समारोह आज बुधवार को आयोजित किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस आधुनिक व्यापारिक परिसर का लोकार्पण एवं नामकरण कर इसे प्रदेशवासियों और व्यापारियों को समर्पित करेंगे। समारोह की अध्यक्षता आवास एवं पर्यावरण, वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी करेंगे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर लगभग 36 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह अत्याधुनिक थोक बाजार व्यापारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। परिसर में चौड़ी सड़कें, पर्याप्त पार्किंग, सुगम यातायात व्यवस्था, सुव्यवस्थित व्यापारिक अवसंरचना तथा आवश्यक नागरिक सुविधाओं का समुचित प्रावधान किया गया है। यह बाजार रायपुर सहित पूरे प्रदेश के व्यापारिक विकास को नई दिशा देने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करेगा।

आईआईटी मंडी का लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम, समय रहते देगी भूस्खलन की चेतावनी

एजेंसी

मंडी : आईआईटी मंडी के वैज्ञानिकों ने भारतीय हिमालयी क्षेत्र के लिए परिचालनात्मक भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की है। आईआईटी मंडी के वैज्ञानिकों ने एक पूर्णतः परिचालनात्मक लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित किया है। इस शोध का नेतृत्व आईआईटी मंडी के स्कूल ऑफ सिविल एंड एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग के प्रो. डेरिक्स प्रेज शुक्ला ने किया। इस शोध में उनके शोधार्थी अंकित सिंह और नितेश धीमान भी शामिल रहे। लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम एक ऐसी पूर्व चेतावनी प्रणाली है जो स्थलाकृति की संवेदनशीलता और वास्तविक समय वर्षा संबंधी आंकड़ों के आधार पर भूस्खलन की संभावना का पूर्वानुमान लगाती है। यह प्रणाली संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों के लिए समय रहते चेतावनी जारी करती है, जिससे प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां आवश्यक एहतियाती कदम उठा सकें। प्रो. डेरिक्स प्रेज शुक्ला ने कहा कि मानसून की शुरूआत के साथ ही हमारा लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम वेब-आधारित एप्लिकेशन के माध्यम से प्रतिदिन भूस्खलन का पूर्वानुमान उपलब्ध कराता है। यह प्रणाली उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहले से पहचान करने में मदद करती है, जिससे प्रशासन और स्थानीय समुदाय समय पर निकासी एवं आपदा तैयारी जैसे आवश्यक कदम उठा सकें। उन्होंने आगे कहा कि उपग्रह आधारित पूर्व चेतावनी प्रणालियां आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सबसे प्रभावी निवेशों में से एक हैं। क्योंकि ये वैज्ञानिक आंकड़ों को समय पर उपयोगी निर्णयों में बदलने में सक्षम बनाती हैं। भूस्खलन पूर्वानुमान मंच विशेष रूप से मानसून के दौरान, जब भूस्खलन का खतरा सबसे अधिक होता है, आपदा प्रबंधन एजेंसियों की तैयारी को मजबूत करता है। भारत में उपलब्ध अन्य भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणालियों की तुलना में आईआईटी मंडी का यह सिस्टम पूरे हिमालयी क्षेत्र को कवर करता है।

इंदौर के रिहायशी इलाके में घुसा तेंदुआ, डिलीवरी बॉय पर किया हमला

एजेंसी

इंदौर : मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के कनाड़िया थाना क्षेत्र के बिचौली मदार्ना इलाके में मंगलवार रात एक तेंदुए के घुसने से हड़कंप मच गया। रात करीब 8:30 बजे रिहायशी इलाके की सड़क पर घूम रहे तेंदुए ने बाइक से गुजर रहे एक डिलीवरी बॉय पर अचानक झपट्टा मार दिया। युवक किसी तरह बाइक छोड़कर भागा और अपनी जान बचाई। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो भी सामने आया है। हमले के बाद तेंदुआ तेजी से भागते हुए एक मकान के बाथरूम में घुस गया। इसकी सूचना मिलते ही कनाड़िया पुलिस, रालामंडल अभयारण्य की रेस्क्यू टीम और वन विभाग का अमला मौके पर पहुंच गया। कुछ देर बाद तेंदुआ बाथरूम से निकलकर श्रीजी वैली होते हुए देवगुराड़िया की पहाड़ियों की ओर भाग गया। देर रात करीब एक बजे तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन तेंदुआ पकड़ में नहीं आया।

सीसीटीवी से खंगाली जा रही

तेंदुए की मूवमेंट

पुलिस और वन विभाग की टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रहे हैं ताकि तेंदुए की सटीक मूवमेंट का पता लगाया जा सके। घटना के बाद आसपास की कॉलोनियों और गांवों में अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पिंजरा और ट्रैंक्विलाइजर गन के साथ चला रेस्क्यू

वन विभाग की टीम पिंजरा और ट्रैंक्विलाइजर गन लेकर मौके पर पहुंची थी। तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए मकान के आसपास घेराबंदी भी की गई, लेकिन वह टीम को चकमा देकर निकल गया। इसके बाद संभावित ठिकानों, खेतों और झाड़ियों में देर रात तक सर्चिंग की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

बारिश के कारण जंगल से भटककर आने की आशंका

वन परिक्षेत्र अधिकारी योगेश कुमार यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही रालामंडल अभयारण्य की रेस्क्यू टीम और इंदौर रेंज का स्टाफ मौके पर पहुंच गया था। सीसीटीवी फुटेज में डिलीवरी बॉय पर तेंदुए का हमला स्पष्ट दिखाई दे रहा है। हालांकि देर रात तक चले सर्च ऑपरेशन में तेंदुआ नहीं मिला। आशंका है कि वह वापस जंगल क्षेत्र की ओर लौट गया है। वन अधिकारियों का मानना है कि लगातार हो रही बारिश के कारण तेंदुआ खुड़ैल-रालामंडल के जंगल क्षेत्र से भटककर आबादी वाले इलाके में पहुंच गया। बिचौली मदार्ना और आसपास के क्षेत्रों में पहले भी कई बार तेंदुओं की मौजूदगी सामने आ चुकी है।

बिहार के समस्तीपुर में कुख्यात प्रभात चौधरी और उनके साथी को अपराधियों ने गोलियों से भूना

एजेंसी

पटना : बिहार में समस्तीपुर जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र अन्तर्गत नामापुर गांव में मंगलवार देर रात बाइक सवार करीब 8-10 अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर कुख्यात प्रभात चौधरी और उसके दोस्त सन्नी कुमार की बेरहमी से हत्या कर दी। अंधाधुंध गोलीबारी की इस सनसनीखेज घटना में दोनों युवकों को संभलने का मौका नहीं मिला और गोली लगते ही उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृत प्रभात चौधरी चकमेहसी थाना क्षेत्र के नीमा चकहैदर का निवासी था, जबकि उसका साथी सन्नी कुमार बेलसंडी गांव का रहने वाला बताया गया है। पिता संजय चौधरी के अनुसार प्रभात को किसी का फोन आने के बाद प्रभात तीन सहयोगियों के साथ स्कॉर्पियो से बागमती नदी के नामापुर दरियापुर मिलने गया था। वहां पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने गोलियों की बौछार कर दी। मृतक प्रभात के पिता संजय चौधरी ने बताया कि उनका बेटा शाम करीब सात बजे किसी काम से घर से निकला था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे को पूरी प्लानिंग के साथ फोन करके बुलाया गया था। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मचा हुआ है। चकमेहसी थानाध्यक्ष जितेंद्र सहनी की माने तो फिलहाल इस हत्या के सही कारणों का पता नही चल सका है। प्रभात चौधरी पर अवैध शराब की तस्करी और आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर मामले दर्ज थे। सदर डीएसपी-2 संजय कुमार के अनुसार 26 अगस्त 2023 को समस्तीपुर कोर्ट में गवाही के दौरान भी प्रभात पर फायरिंग हुई थी। उस घटना के मास्टरमाइंड राजद नेता रामबाबू राय को पुलिस ने जेल भेजा था। प्रभात एक साल पहले ही जेल से छूटा था। आशंका है कि शराब के अवैध कारोबार में पैसों के लेनदेन या इलाके में वर्चस्व कायम करने की पुरानी रंजिश के कारण ही हत्याकांड को अंजाम दिया गया है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव के कारण ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,925.15 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,503.85 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 302.47 अंक यानी 1.16 प्रतिशत टूट कर 25,818.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.13 प्रतिशत फिसल कर 52,857.47 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,665.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत लुढ़क कर 8,436.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 352.64 अंक यानी 1.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,465.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,402.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,011.05 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 535.11 अंक यानी 2.28 प्रतिशत उछल कर 24,032 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 128.40 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 45,607.51 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 133.50 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,250 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 166.96 अंक यानी 0.24 प्रतिशत गिर कर 68,090 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 127.86 अंक यानी 1.67 प्रतिशत लुढ़क कर 7,528.45 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स भी आज 1.01 प्रतिशत फिसल कर 5,926.71 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.25 प्रतिशत टूट कर 1,600.04 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

उत्तराखंड में मानसून का असर तेज, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट; भूस्खलन से सड़कें बाधित

देहरादून : प्रदेश में मानसून के सक्रिय होने से लगातार हो रही बारिश का असर जनजीवन पर दिखने लगा है। कई स्थानों पर भूस्खलन और मलबा आने से सड़क यातायात प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के कई जिलों में भारी बारिश और आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी की है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, वर्षा के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में कई सड़कें और संपर्क मार्ग भी बाधित हैं, जिन्हें खोलने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उत्तरकाशी जिले में बुधवार सुबह यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-134) पर स्यानाचट्टी के पास सड़क पर मलबा और पत्थर आने से यातायात कुछ समय के लिए बाधित हो गया। संबंधित एजेंसी ने त्वरित कार्रवाई कर मलबा हटाया, जिसके बाद मार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया। उधर, चम्पावत जिले में टनकपुर-जौलजीबी मोटर मार्ग किमी 14.900 पर भूस्खलन के कारण यातायात बंद है। मार्ग को खोलने के लिए पोकलेन मशीन से मलबा हटाने का कार्य जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार, बुधवार को देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, चम्पावत, बागेश्वर, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने तथा वर्षा के तीव्र से अति तीव्र दौर की चेतावनी भी जारी की गई है। विभाग ने पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन, चट्टान गिरने, सड़कें अवरुद्ध होने और नदियों-नालों के जलस्तर में वृद्धि की आशंका जताते हुए लोगों और यात्रियों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा मौसम और प्रशासन की सलाह का पालन करने की अपील की है।

महाराष्ट्र के सतारा जिले में करंट लगने से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

मुंबई : महाराष्ट्र के सतारा जिले में फलटन तहसील के खामगांव में बुधवार को सुबह बिजली का करंट लगने से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि खामगांव में एक वायर टूट कर मेन वायर पर गिर गया और उस टूटे हुए वायर में बिजली का करंट प्रवाहित होने लगा। इसी वायर को एक के बाद एक छूने से सतीश किसान शिंदे (45), उनकी पत्नी गंगू शिंदे (42) और उनके बच्चों सचिन और आरती की मौत हो गई। चारों एक ही परिवार के हैं, इसलिए गांव में शोक की लहर फैल गई है। पुलिस टीम ने चारों शव बरामद कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। सतारा के पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले ने कहा कि शुरूआती जांच से पता चलता है कि एक केबल टूट गई और ऊपर से गुज? रही बिजली की लाइन के संपर्क में आने से उसमें करंट आ गया। परिवार का एक सदस्य इस केबल के संपर्क में आया और उसे बिजली का झटका लगा। बाकी लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की और उन्हें भी बिजली का झटका लगा। फिलहाल मामले की हर ऐंगल से जांच जारी है।

झांसी में ईडी का एक्शन : सपा के पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव और बिल्डर विजय सरावगी से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी

झांसी : उत्तर प्रदेश के झांसी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार तड़के झांसी में बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व गरौठा विधायक दीप नारायण सिंह यादव तथा बिल्डर विजय सरावगी से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। बरसात के बीच सुबह शुरू हुई इस कार्रवाई से शहर में हलचल मच गई और संबंधित स्थानों पर लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम सबसे पहले पूर्व विधायक के साले के आवास पर पहुंची, जहां दस्तावेजों एवं अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की जांच शुरू की गई। इसके बाद स्पेस मून सिटी स्थित पूर्व विधायक के आवास तथा उनके पैतृक गांव में भी तलाशी अभियान चलाया गया। वहीं ईडी की एक टीम ने जानकी पुरम स्थित बिल्डर विजय सरावगी के आवास पर भी छापेमारी कर दस्तावेजों की पड़ताल की। सूत्रों के अनुसार ईडी की अलग-अलग टीमें विभिन्न स्थानों पर वित्तीय लेन-देन, संपत्ति संबंधी दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की गहन जांच में जुटी रहीं। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। टीम के वाहनों के नंबरों के आधार पर स्थानीय स्तर पर यह कयास लगाए जा रहे हैं कि अधिकारी लखनऊ से आए हैं, तो वहीं टीम का प्रयागराज से आना भी बताया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार कार्रवाई के दौरान ईडी की टीम बिल्डर विजय सरावगी को अपने साथ लेकर गई। हालांकि उन्हें किस उद्देश्य से साथ ले जाया गया और आगे की कार्रवाई क्या होगी, इस संबंध में ईडी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। समाचार लिखे जाने तक प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई जारी थी। छापेमारी के कारणों और जांच के दायरे को लेकर भी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है हालांकि झांसी के एसएचओ सदर महेश चंद ने छापे की कार्रवाई को लेकर किसी प्रकार की टिप्पणी नहीं की। ऐसे में जांच पूरी होने के बाद ही मामले से जुड़े तथ्यों और संभावित कार्रवाई की स्पष्ट तस्वीर सामने आने की उम्मीद है।

मारुति सुजुकी के खरखौदा संयंत्र में एक मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली चालू

नई दिल्ली : देश की अग्रणी कार विनिमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने हरियाणा के खरखौदा विनिर्माण संयंत्र में एक मेगावाट-घंटा (एमडब्ल्यूएच) क्षमता वाली बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) चालू कर दी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को कहा कि शुरूआती पहल के तहत बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) को खरखौदा संयंत्र के आंतरिक बिजली वितरण नेटवर्क के साथ एकीकृत किया गया है। यह पहल संयंत्र की अक्षय ऊर्जा दक्षता को अधिकतम करने और कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद करेगी। एमएसआईएल ने कहा कि बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) कम मांग वाले समय या संयंत्र में अवकाश के दिनों के दौरान उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को संग्रहित कर आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लाकर इस चुनौती का समाधान करती है। संयंत्र में अवकाश के दिनों में सौर ऊर्जा की मांग नहीं होने के कारण उत्पन्न बिजली का उपयोग नहीं हो पाता था। कंपनी ने कहा कि इसके अलावा बीईएसएस बिजली ग्रिड की स्थिरता में सुधार करने में भी मदद करेगी। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी आत्मनिर्भर ऊर्जा परिवेश को लेकर भारत की नीति के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ताकेउची ने कहा कि खरखौदा संयंत्र में बीईएसएस की शुरूआत इसी दिशा में उसके सतत प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बीईएसएस से हर साल लगभग 54 टन कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने 2025 में खरखौदा संयंत्र में 20 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की थी।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जलालपुर पहुंच महेंद्र मिश्र की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सारण : पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद और जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बुधवार को पहली बार सारण जिले के जलालपुर प्रखंड पहुंचे। उनके इस दौरे को लेकर स्थानीय कार्यकताओं और आम जनता में उत्साह देखा गया। जलालपुर मुख्यालय स्थित चौराहा पर पहुंचने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने सबसे पहले लोक कवि एवं पूर्वी धुन के जनक कहे जाने वाले कलाकार व स्वतंत्रता सेनानी पंडित महेंद्र मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, संजय झा, महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, जदयू के जिलाध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह विकल, विधायक रणधीर सिंह और प्रखंड स्तरीय नेताओं के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान नीतीश कुमार के स्वागत के लिए कार्यकताओं ने महेंद्र मिश्र चौक को जदयू के झंडों और रंग-बिरंगे फूलों से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया था। पूर्व मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला और पुलिस प्रशासन ने जलालपुर चौक और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े व्यवस्था किए गए थे। कार्यक्रम के समापन के बाद भी अपने चहेते नेता को करीब से देखने के लिए कार्यक्रम स्थल पर कार्यकताओं की भीड़ उमड़ी रही। नीतीश कुमार ने भी सभी कार्यकताओं और स्थानीय जनता का अभिवादन स्वीकार किया।

न्यूज IN ब्रीफ

होटल में चल रहा था गंदा काम, पुलिस ने 4 लोगों को पकड़ा, मालिक फरार

गिरिडीह: धनवार के एक होटल में अनैतिक काम किया जा रहा था। इसके लिए होटल मालिक द्वारा युवक-युवती को कमरा दिया जाता था। होटल में देह व्यपार की सूचना पर गिरिडीह पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने कार्रवाई की है। धनवार नगर थाना अंतर्गत बड़ा चौक स्थित होटल डिस्कवरी में छापा मारा है। देह व्यपार की सूचना पर की गई इस छापेमारी में होटल के एक कमरे से दो महिला और दो पुरुष को आपत्तिजनक स्थिति में हिरासत में लिया गया है। वहीं होटल के मैनेजर प्रदीप साहू को भी पूछताछ के लिए धनवार थाना लाया गया।

कार्रवाई के दौरान होटल संचालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। बताया जाता है कि गिरिडीह एसपी डॉ बिमल कुमार को यह सूचना मिल रही थी कि धनवार के डिस्कवरी होटल में अनैतिक काम किया जाता है। इस सूचना के बाद खोरी महुआ के एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार को कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

एसडीपीओ के नेतृत्व में की गई कार्रवाई

मंगलवार की रात को खोरीमहुआ एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में धनवार बीडीओ देवेंद्र कुमार दास और धनवार थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार होटल में पहुंचे। टीम ने होटल के विभिन्न कमरों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मिले दो महिला और दो पुरुष से पहचान संबंधी दस्तावेज मांगे गए। लेकिन वे तत्काल कोई वैध पहचान पत्र नहीं दिखा पाए। इसके बाद सभी को पूछताछ के लिए थाना लाया गया।

सील किया गया होटल

इस दौरान प्रशासन की टीम ने होटल के रजिस्टर, सीसीटीवी फूटेज को भी खंगाला। जिसके बाद होटल को सील करने का निर्णय लिया गया। सीआई सह दंडाधिकारी अभिषेक कुमार को मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया और उनकी मौजूदगी में मंगलवार रात होटल को विधिवत सील कर दिया गया।

फायरिंग केस में दो को जमानत

जमशेदपुर : फायरिंग और आर्म्स एक्ट केस के दो आरोपियो सोनू झा और रितेश सिंह की जमानत अर्जी एडीजे-2 की अदालत से मंजूर हो गई। आरोपियों की ओर से अदालत में अधिवक्ता राकेश प्रसाद ने पक्ष रखा। बताया जाता है कि, टेल्को में जमीन कब्जा करने के लिए फायरिंग का केस दोनों के खिलाफ मई में दर्ज हुआ था। दोनों को 55 दिनों तक जेल में रहने के बाद जमानत मिली है।

ईको विकास समिति के 30 सदस्यों को आईएचएम रांची में आतिथ्य प्रशिक्षण

जमशेदपुर : दलमा वन्यजीव अभयारण्य में सामुदायिक इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए माकुलाकोचा, खोखरो, बांधडीह, तुलिन व कदमझोर की ईको विकास समितियों के 30 सदस्यों को आईएचएम रांची, ब्राम्बे में एक सप्ताह का ह्यहॉस्पिटैलिटी एवं गेस्ट एटिकेटह्ल प्रशिक्षण दिया जा रहा है।प्रतिभागियों को अतिथि सत्कार, हाउसकीपिंग, स्वच्छता, भोजन सेवा, संवाद कौशल और पर्यटकों से व्यवहार की बारीकियां सिखाई जाएंगी। इसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय को आतिथ्य प्रबंधन में कुशल बनाकर पर्यटकों को बेहतर सुविधा देना तथा आजीविका के अवसर सृजित करना है। वन विभाग इस तरह के क्षमता विकास कार्यक्रम जारी रखेगा।

जेएफसी के जीएम ने ड्यूरंड कप ट्रॉफी समारोह में किया प्रतिनिधित्व

जमशेदपुर : एफसी के जनरल मैनेजर प्रशांत गोडबोले ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित 135वें ड्यूरंड कप की ट्रॉफियों के अनावरण एवं राष्ट्रव्यापी दौरे के फ्लैग-ऑफ समारोह में क्लब का प्रतिनिधित्व किया। जमशेदपुर एफसी ग्रुप सी में श्रीलंका के डिफेंडर्स एफसी, स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली और इंडियन एयर फोर्स फुटबॉल टीम के साथ होगी। टीम अपने सभी ग्रुप मैच रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में खेलेगी। 26 जुलाई को डिफेंडर्स एफसी से अभियान शुरू करेगी, 4 अगस्त को स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली से और 13 अगस्त को एयर फोर्स टीम से भिड़ेगी। टूर्नामेंट 25 जुलाई से 23 अगस्त तक आयोजित होगा।

कुंवर सिंह व नेहरू मैदान में पानी सप्लाई शुरू होने पर सम्मानित

जमशेदपुर : बागबेड़ा कॉलोनी के कुंवर सिंह मैदान से नेहरू मैदान रोड नंबर- 3 के करीब 50 क्वार्टर बीते कई वर्षों बाद पानी की आपूर्ति शुरू हो गई। पेयजल समस्या का समाधान होने पर ग्रामवासियों ने पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। लोगों ने बताया कि, पानी की समस्या के समाधान को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा लगातार संबंधित विभाग एवं प्रशासन के समक्ष मुद्दा उठाया जा रहा था। इससे डीएमएफटी फंड से संचालित पाइपलाइन एवं जलापूर्ति में सुधार कर नियमित पानी सप्लाई शुरू होने से स्थानीय ग्रामीणों में उत्साह है क्योंकि, पानी नहीं आने से लोगों को परेशनी होती थी। सम्मान समारोह में मुखिया राजकुमार गौड़, उप मुखिया संतोष ठाकुर, अजीत सिन्हा, वार्ड सदस्य कुमुद रंजन सिंह, सीमा पांडेय, अभिषेक उपाध्याय, बाहामनी हेंब्रम, राजकुमार सिंह, राकेश सिंह एवं कुमार विशाल को अंगवस्त्र प्रदान किया गया।

सिक्का गांव में रहस्यमय बीमारी से परिवार के पांच सदस्य की गई जान

पलामू : सिक्का गांव में रहस्यमय बीमारी का कहर, परिवार के पांच सदस्य की जान गई । पलामू में रहस्मयी बीमारी मामलाः दूषित सरसों तेल से एपिडेमिक ड्रॉप्सी की आशंका, स्वास्थ्य विभाग की जांच में बीमार लोगों में एपिडेमिक ड्रॉप्सी के लक्षण पाए गए थे। प्रभावित लोगों के शरीर में सूजन समेत इस बीमारी से जुड़े अन्य लक्षण मिले थे। हालांकि, बीमारी के वास्तविक कारण और मौत की अंतिम वजह की पुष्टि विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। बताया जा रहा है कि परिवार के सभी सदस्य एक-एक कर बीमार पड़े थे। शुरूआत में उनका इलाज मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में कराया गया था। हालत गंभीर होने पर कई मरीजों को रांची रिम्स रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

केंदुआडीह भू-धंसान और गैस रिसाव पर मंथन, वैज्ञानिक खुदाई के बाद ही खुलेगी धनबाद-बोकारो सड़क

संवाददाता

धनबाद : केंदुआडीह भू-धंसान और गैस रिसाव की लगातार सामने आ रही घटनाओं के बीच धनबाद प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। महीनों से बंद धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क को दोबारा चालू करने से पहले प्रभावित इलाके में वैज्ञानिक तरीके से खुदाई कर वास्तविक स्थिति का पता लगाया जाएगा। खुदाई के दौरान पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में रखा जाएगा और प्रभावित परिवारों को अस्थायी राहत शिविरों में स्थानांतरित किया जाएगा। इस पूरे अभियान के लिए 10 जुलाई तक विस्तृत एसओपी तैयार की जाएगी।

डीसी-एसएसपी की अध्यक्षता में हुई बैठक

समाहरणालय में उपायुक्त आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद, विधायक, जिला परिषद अध्यक्ष, बीसीसीएल के अधिकारी, डीजीएमएस, आईआईटी (आईएसएम), सिंफर समेत विभिन्न तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हुए।

मुख्य एजेंडा रहा बंद धनबाद-बोकारो मार्ग

बैठक का मुख्य एजेंडा पिछले छह-सात

महीनों से बंद धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क को सुरक्षित तरीके से दोबारा शुरू करने का था। जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि सड़क खोलने से पहले क्षतिग्रस्त हिस्से के नीचे वैज्ञानिक ढंग से खुदाई कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए। बैठक में तय किया गया कि बीसीसीएल 10 जुलाई तक खुदाई कार्य के लिए विस्तृत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार कर जिला प्रशासन को सौंपेगा। एसओपी मिलने के बाद सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए खुदाई शुरू होगी। खुदाई के दौरान प्रभावित इलाके के लोगों को राहत शिविरों में शिफ्ट किया जाएगा और पूरे क्षेत्र को कॉर्डन कर रेस्क्यू टीम, डीजीएमएस, आईआईटी (आईएसएम) और सिंफर के विशेषज्ञों की निगरानी में काम कराया जाएगा। तकनीकी रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह फैसला होगा कि सड़क को दोबारा खोलना सुरक्षित होगा या नहीं।

बैठक में सांसद समेत सभी विधायक रहे मौजूद

बैठक में सांसद ढुलू महतो ने कहा कि सड़क बंद रहने से बड़ी आबादी को परेशानी हो रही है, इसलिए इसे जल्द चालू करने के लिए ठोस पहल जरूरी है। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि बीसीसीएल पहले भी कई धंसी हुई सड़कों की मरम्मत कर उन्हें चालू कर चुका है, इसलिए इस सड़क के लिए भी गंभीर प्रयास होने चाहिए। वहीं विधायक अरूप चटर्जी ने भी गहरी खुदाई कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की वकालत की। जबकि विधायक रागिनी सिंह, विधायक चंद्रदेव महतो और जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने भी सभी तकनीकी जांच पूरी कर सड़क को सुरक्षित तरीके से शुरू करने की बात कही।

बैठक में ऑनलाइन जुड़े बीसीसीएल के सीएमडी

बैठक में ऑनलाइन जुड़े बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि कंपनी भी सड़क को सुरक्षित ढंग से चालू करने के पक्ष में है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन के निदेर्शानुसार एसओपी तैयार कर आवश्यक तैयारियां पूरी की जाएंगी। बैठक के दौरान डीजीएमएस, आईआईटी (आईएसएम) और सिंफर के विशेषज्ञों ने खुदाई से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर अपनी राय रखी। स्थानीय पार्षद और केंदुआ क्षेत्र के रैयतों ने भी अपने सुझाव प्रशासन के समक्ष रखे।

बैठक के अंत में उपायुक्त ने राजपूत बस्ती के रैयतों को अपने आवेदन लैंड सेल में जमा करने का निर्देश दिया और करमाटांड़ क्षेत्र का विशेष सर्वे कराने की बात कही। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में बीसीसीएल यदि किसी सरकारी सड़क, बिजली के खंभे या पाइपलाइन के आसपास बिना प्रशासन की अनुमति कार्य करेगा और उससे नुकसान होगा तो संबंधित क्षेत्र के महाप्रबंधक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मधुसूदन पब्लिक स्कूल के अव्वल आने वाले छात्रा को वरीय पत्रकार बिनय मिश्रा ने सम्मानित किया

संवाददाता

शिक्षा के क्षेत्र में पूरे झारखंड में अपने दमदार और सशक्त पहचान रखने वाला मधुसूदन पब्लिक स्कूल अपने बेहतर परीक्षा परिणाम और अव्वल छात्रों ने पुण एक बार इस विद्यालय का मान सम्मान और गौरव बढ़ाया है छात्रों में अपने मेहनत लगन और अनुशासन तथा शिक्षकों के बेहतर मार्गदर्शन और पढ़ाई से छात्रों को बेहतर बनाने के साथ-साथ उन्हें परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाने की प्रेरणा से इस वर्ष 2026 में छात्रों में एक बार पुण सफलता और अपनी अवलता तथा श्रेष्ठता को सिद्ध किया है इस सफलता में शिक्षक गण विद्यालय के अध्यक्ष और निदेशक तथा प्राचार्य जिन्होंने हमेशा छात्रों को अवल आने के लिए प्रेरित किया हुआ निश्चित तौर पर यह कार्य और प्रयासकाफी उपलब्धि भरा रहा है ऐसे विद्यालय से निश्चित तौर पर शहर जिला प्रमंडल और राज्य गौरवान्वित होते हैं इस विद्यालय के संस्थापक तथा मुख्य अभिभावक श्याम सुंदर महतो भले ही आज नहीं है किंतु उनके प्रेरणा और अनुकरणीय प्रयास से यह विद्यालय दिनों दिन अपनी सार्थकता और सफलता के कहानी स्वयं गढ़ रहा है यही नहीं मधुसूदन पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष और निर्देशक बलराज हिंदवार मधुसूदन पब्लिक स्कूल के प्राचार्य के नागार्जुन तथा शिक्षक गण के निरंतर प्रयास और उत्कृष्ट पठन-पाठन के फल स्वरुप इस विद्यालय के छात्रों ने अपना परचम पुणे 2026 में स्थापित किया है इस विद्यालय के गौरवपूर्ण इतिहास और सफलता निश्चित तौर पर विद्यालय अभिभावक और शहर वासियों के लिए गौरव है इस विद्यालय के सफल छात्रा को झारखंड के वरीय पत्रकार एवं मेट्रो रेज के कोल्हान प्रभारी बिनय मिश्रा ने भी सम्मानित किया और छात्रा को प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर उसका मान सम्मान और मनोबलबढ़ाया श्री मिश्रा ने कहा कि मधुसूदन पब्लिक स्कूल अपने स्थापना काल से लेकर अब तक हमेशा बेहतर परीक्षा परिणाम फल से विद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में जबरदस्त पहचान दिलाया है जो निश्चित तौर पर सबों के लिए गौरव की बात है और हमें ऐसे विद्यालय पर हमेशा नाज है जो शिक्षा के क्षेत्र में अपनी जबरदस्त और सशक्त पहचान रखता है।

झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना का हजारीबाग से शुभारंभ

हजारीबाग : जिले में सहकारिता सप्ताह समारोह का समापन मंगलवार को हो गया। 29 जून से 6 जुलाई तक चले सहकारिता सप्ताह का समापन समारोह हजारीबाग के विनोबा भावे विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने सहकारिता से समृद्धि पर जोर दिया। साथ ही झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना की शुरूआत की।

कृषि मंत्री ने दिया सहकारिता से विकास का मंत्र

इस कार्यक्रम को सहकारिता से समृद्धि-हमारा संकल्प, हमारा कर्तव्य मंत्र दिया गया। हजारीबाग पहुंची कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सहकारिता का दायरा काफी अधिक है। सहकारिता ही एक ऐसा माध्यम है जिसके जरिए एक साथ कई लोगों का विकास किया जा सकता है।वहीं शक्ति का विकेंद्रीकरण भी यहां से हो सकता है।

उन्होंने कहा कि सहकारिता के जरिए कई राज्यों में विकास हुआ है। उस अनुपात में झारखंड में सहकारिता का विकास नहीं हुआ है। इसके लिए एक तरफ जहां सरकार जिम्मेवार है तो दूसरी ओर इससे जुड़े हुए लोग भी। एक सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान के दौरान सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने, किसानों एवं ग्रामीणों को सहकारिता से जोड़ने तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

धान की खेती करने वाले किसानों से की ये अपील

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस वर्ष मानसून झारखंड में कमजोर रहने की संभावना है। इस कारण खेती प्रभावित रहेगी। इस बाबत झारखंड सरकार ने विशेष तैयारी की है। हजारीबाग पहुंची कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा आने वाले चार-पांच दिनों में अच्छी बारिश होने वाली है। किसान बिचड़ा तैयार करें। अपने खेत की मेड़बंदी करें, ताकि पानी सुरक्षित रह सके।

उन्होंने कहा कि इस बार किसान मोटे अनाज का खेती करें। झारखंड सरकार ने झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना की शुरूआत की है। जो किसान मडुआ की खेती करेंगे उन्हें प्रति एकड़ 3 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि जिन जिलों में कम वर्षा हो रही है वहां सरकार रिलीफ फंड जारी करें। मंत्री ने कहा कि झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना के जरिए सरकार किसानों को राहत देने की कोशिश कर रही है।

गुमला में ज्वेलरी व्यवसायी से लूटपाट, करीब 15 लाख के आभूषण की लूट

गुमला: जिला के पालकोट मुख्य बाजार स्थित माही ज्वेलर्स के मालिक से मंगलवार देर शाम हथियार के बल पर लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस अपराधियों की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार माही ज्वेलर्स के संचालक मनीष सोनी (पिता-विष्णु सोनी) मंगलवार को अपनी दुकान बंद कर मोटरसाइकिल से अपने निवास स्थान पालकोट बस्ती जा रहे थे। इसी दौरान भीमो कंसारी के घर के समीप, जो घनी आबादी वाला क्षेत्र माना जाता है, पहले से घात लगाए बैठे तीन अपराधियों ने उन्हें रोक लिया।

अपराधियों ने पिस्तौल दिखाकर डराया और सोने-चांदी के आभूषणों से भरा बैग छीन लिया। बताया जाता है कि लूटे गए आभूषणों की कीमत लगभग 25 से 30 लाख रुपये के बीच है। मनीष सोनी द्वारा विरोध किए जाने पर अपराधियों ने हवाई फायरिंग भी की, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

इस घटना को अंजाम देने के बाद तीनों अपराधी एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर पालकोट बस स्टैंड होते हुए गुमला की ओर फरार हो गए। इस वारदात की सूचना मिलते ही पालकोट पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा संभावित मार्गों एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

गुमला एसपी हारिस बिन जमां के द्वारा इस घटना की पुष्टि की गयी है। एसपी ने बताया है कि अपराधियों द्वारा लूट गए जेवरात करीब 15-20 लाख रुपए की होंगे, ऐसा व्यवसायी ने बताया है। अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस सीसीटीवी कैमरा और जगह-जगह पर तलाशी कर रही है।

हजारीबाग पुलिस का अपराध पर शिकंजा

राहुल दुबे गैंग का दो सदस्य गिरफ्तार, ब्राउन शुगर के साथ शिकंजे में तस्कर

संवाददाता

हजारीबाग: जिला पुलिस के लिए मंगलवार का दिन बेहद सफलता वाला रहा। हजारीबाग पुलिस ने गिद्दी थाना क्षेत्र से राहुल दुबे गैंग के दो सदस्य को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। वहीं कटकमसांडी थाना क्षेत्रसे ब्राउन शुगर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 25 ग्राम नशीला पदार्थ के साथ तीन तस्कर को गिरफ्तार किया है।

हजारीबाग के गिद्दी थाना क्षेत्र में हजारीबाग पुलिस ने राहुल दुबे गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरोह के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक चार पहिया वाहन, एक देशी लोडेड पिस्टल, दो जिंदा गोलियां, दो मैगजीन और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि सफेद रंग की गाड़ी से कुछ अपराधी हथियार लेकर गिद्दी से मांडू होते हुए हजारीबाग की ओर आने वाले हैं। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित कर गिद्दी-मांडू मार्ग स्थित कनकी मोड़ के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान तेज रफ्तार गाड़ी को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर वाहन चालक कुछ दूरी पर गाड़ी छोड़कर भागने लगा, लेकिन पीछा कर दो अपराधियों को पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मोहित सिंह उर्फ कुणाल और भोला उर्फ ओम प्रकाश पाल के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने राहुल दुबे गैंग का सक्रिय सदस्य होने की बात स्वीकार की। जो गिरोह लूट, रंगदारी, फिरौती वसूली और क्षेत्र में दहशत

फैलाने के लिए फायरिंग जैसी वारदातों को अंजाम देता है। उनकी तलाशी के दौरान दोनों के पास से एक देसी लोडेड पिस्टल, दो जिंदा गोलियां, दो मैगजीन, दो मोबाइल फोन तथा स्कॉर्पियो वाहन बरामद किया गया।

ब्राउन शुगर के साथ शिकंजे में तस्कर

वहीं कटकमसांडी थाना क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ हजारीबाग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 25 ग्राम ब्राउन शुगर और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि कटकमसांडी थाना क्षेत्र के डांढ़ गांव में दो व्यक्ति ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक सपन महथा, कटकमसांडी थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश, पेलावल ओपी प्रभारी बिट्टू रजक तथा सशस्त्र बल की संयुक्त छापेमारी टीम गठित की गई।

इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने मो। रिजवान और मो। रफीक को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से लगभग 12 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह मादक पदार्थ डांढ़ गांव निवासी छोटन साव से खरीदा था। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छोटन साव को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसके पास से करीब 13 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो। रिजवान (सुभाष मार्ग), मो। रफीक (सरदार रोड) और छोटन साव (ग्राम डांढ़, थाना कटकमसांडी) के रूप में हुई है।